RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

हम सभी के पास समान प्रतिभा नहीं है, लेकिन हमारे पास समान अवसर है, अपनी प्रतिभा को विकसित करने के लिए।

रतन टाटा

वर्ष-04, अंक - 43 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 28 जुलाई 2022 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

कृष्ण पक्ष की चौदस को मनाया जाता है स्वतंत्रता दिवस

माही की गूंज, उज्जैन। उज्जैन में सावन के कृष्ण पक्ष चौदस के दिन स?वतंत्रता दिवस मनाने की परंपरा चली आ रही है। पिछले 45 वर्षों से हिंदी तिथि के अनुसार महाकाल मंदिर के पास बड़े गणेश मंदिर में स?वतंत्रता दिवस बनाया जाता है। इस दिन इसी तिथि को देश आजाद हुआ था इसलिए इस तिथि पर स?वतंत्रता दिवस मनाया जाने की परम्परा चली आ रही है।

देशभर में स्वतंत्रता दिवस समारोह भले ही 15 अगस्त को मनाया जाता है, लेकिन उज्जैन के श्री बड़ा गणेश मंदिर में स्वतंत्रता दिवस हिंदू कैलेंडर के मुताबिक ही मनाए जाने की परंपरा है। उज?जैन में इस परम्परा को भगवान श्री महाकालेश?वर मंदिर के नजदीक स्थित श्री बड़ा गणेश मंदिर में प्रत्येक वर्ष सावन कृष्ण पक्ष की चौदस के दिन स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष यह दिन 27 जुलाई को आया।

ज्योतिषाचार्य आनंद शंकर व्यास बताते है कि, हमारे देश में जितने भी त्योहार होते हैं वह सभी हिंदी तिथि अनुसार ही मनाए जाते है, लेकिन हमारे देश का राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता व गणतंत्र दिवस पर्व अंग्रेजी कैलेंडर की तारीख के मुताबिक मनाया जाता है, जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए।पंडित व?यास के अनुसार 15 अगस्त और 26 जनवरी को हमारे यहां उज्जैन में यह दोनों राष्ट्रीय पर्व बड़े गणेश मंदिर पर करीब 45 वर्षों से हिंदी तिथि के अनुसार मनाया जा रहा है। इस बार भी 15 अगस्त को मनाया जाने वाला स्वतंत्रता का पर्व इस बार भी हिंदी तिथि के अनुसार बुधवार को सावन कृष्ण पक्ष चौदस के दिन मनाया गया और बड़े गणेश का पूजन कर मन्दिर पर तिरंगा ध्वज फहराया गया।

ज्योतिषाचार्य आनंद शंकर व्यास ने बताया है कि, देश धर्म और संस्कृति से जुड़ा हुआ है हमारे सारे पर्व तिथि से होते है केवल राष्ट्रीय पर्व अंग्रेजी में बनाया जाता है। सावन कृष्ण चतुर्थी पर देश आज़ाद हुआ था उस वर्ष अधिकमास था 19 वर्षों में एक बार आती है। लेकिन हर वर्ष की तरह इस बार भी तिथि पर स्वतंत्रता महोत्सव बनाया गया, गणपति गणतंत्र के अरध्या देव है आधार पर बड़े गणेश मंदिर पर स्वतंत्र दिवस बनाया है।

ईडी की पूछताछ में सोनिया गांधी ने भी लिया मोतीलाल वोरा का नाम

नई दिल्ली, एजेंसी।

नेशनल हेराल्ड में कथित मनी लॉन्ड्रिंग केस को लेकर ईडी ने तीसरे दिन कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से पूछताछ की। तीन दिनों में उनसे 12 घंटे पूछताछ हुई। ईडी अधिकारियों संग सोनिया की पूछताछ से जुड़े कुछ सवाल और जवाब सामने आए हैं। रिपोर्ट्स है कि, सोनिया गांधी ने ईडी के अधिकारियों को कई सवालों के जवाब राहुल गांधी जैसे ही दिए। एक बार फिर स्वर्गीय मोतीलाल वोरा का नाम सामने आया है। राहुल गांधी की तरह सोनिया गांधी ने भी ईडी से कहा कि पैसों के लेन-देन का मामला मोतीलाल वोरा ही देखा करते थे।

सूत्रों के अनुसार, ईडी द्वारा नेशनल हेराल्ड मामले में पूछताछ के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, उनके बेटे और पार्टी नेता राहुल गांधी ने जांच एजेंसी के अधिकारियों को एक जैसे ही जवाब दिए। पूछताछ के पहले दो दिनों में सोनिया से एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड (एजेएल) और यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े वित्तीय लेनदेन के बारे में पूछा गया।

पार्टी अध्यक्ष ने पूछताछ के दौरान ईडी अधिकारियों को बताया कि, वित्त संबंधी सभी मामलों को दिवंगत मोती लाल वोरा ने संभाला था। वोरा का 2020 में निधन हो गया था और वह कांग्रेस पार्टी के सबसे लंबे समय तक कोषाध्यक्ष रहे।

दिलचस्प बात यह है कि, राहुल गांधी से जब वित्तीय पहलुओं के बारे में पूछताछ की गई तो उन्होंने अधिकारियों को यह भी बताया कि सभी लेन-देन वोरा द्वारा किए गए थे। ईडी के सामने राहुल और सोनिया के अलावा कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और पवन कुमार बंसल ने भी यही नाम लिया था।

यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से व्यक्तिगत लाभ से संबंधित प्रश्नों पर, राहुल ने जून के महीने में अपनी पूछताछ के दौरान अधिकारियों को बताया था कि, यंग इंडियन एक गैर-लाभकारी कंपनी है जिसे कंपनी अधिनियम के विशेष प्रावधान के तहत शामिल किया गया था। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस नेता ने कहा कि इसमें से एक पैसा भी नहीं निकाला गया है।

सोनिया गांधी, जिनसे तीन दिनों तक 12 घंटे तक पूछताछ की जा चुकी है, ने ईडी को इसी तरह के जवाब दिए जब उनसे यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड की भूमिका के बारे में पूछा गया। बता दें कि, सोनिया से पहले राहुल गांधी से ईडी के अधिकारी 5 दिनों में दो-दो शिफ्ट में 50 घंटे से ज्यादा की पूछताछ कर चुके हैं।

नेता की हत्या का नूपुर शर्मा कनेक्शन से पूरे राज्य में तनाव

बेंगलुरु, एजेंसी।

कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में मंगलवार रात भाजपा युवा शाखा के एक कार्यकर्ता की हत्या कर दी गई। इसके बाद कर्नाटक के कई हिस्सों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। घटना के बाद से सत्ताधारी पार्टी को अपने ही कार्यकर्ताओं से गुस्से का सामना करना पड़ रहा है। कई कार्यकर्ता बड़े पैमाने पर एक साथ इस्तीफा दे रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कर्नाटक के कई हिस्सों में भाजपा की युवा शाखा के सदस्यों ने बड़े पैमाने पर संगठन से इस्तीफा देना शुरू कर दिया है। उनका आरोप है कि, भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पार्टी कार्यकर्ताओं के जीवन की रक्षा करने में विफल रही है। कुछ वीडियो सामने आए हैं जिनमें गुस्साए भाजपा कार्यकर्ताओं ने राज्य भाजपा अध्यक्ष नलिन कुमार कतील की कार को घेर लिया है और उनके साथ धक्का मुक्की कर रहे हैं।

प्रदर्शन के बाद बाजार बंद

पुलिस के मुताबिक, मोटरसाइकिल सवार हत्यारों ने भाजपा की युवा शाखा भारतीय जनता युवा मोर्चा के सदस्य प्रवीण नेट्टारू पर मंगलवार रात हमला किया था। हमला उस समय किया था जब वह अपनी दुकान बंद करके बाइक से घर लौट रहे थे। हमला करने के बाद हत्यारे वहां से भाग गए। नेट्टारू को जमीन पर खून से लथपथ देख स्थानीय निवासियों ने पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद पुलिस ने 32 वर्षीय नेट्टारू को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

नूपुर कनेक्शन से तनाव?

प्रवीण ने 29 जून को कन्हैया लाल का समर्थन करते हुए एक सोशल मीडिया पोस्ट शेयर किया था। राजस्थान के उदयपुर में कन्हैयालाल की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। कन्हैया ने कथित तौर निलंबित भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा का समर्थन किया था। प्रवीण ने एक फेसबुक पोस्ट में कन्हैया लाल का बचाव किया और जिहादियों पर गुस्सा निकाला था। अब कहा जा रहा है कि प्रवीण की हत्या के पीछे नूपुर कनेक्शन हो सकता है।

दक्षिण कन्नड़ जिले में विहिप ने किया बंद का आह्वान

युवा इकाई के एक नेता की हत्या के विरोध में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के बंद के आह्वान पर बुधवार को दुकान मालिकों ने शटर गिरा दिए। विहिप ने सुलिया, कदबा और पुत्तूर तालुकों में हड़ताल का आह्वान किया है। कुछ स्थानों से सरकारी बसों पर पथराव की घटनाएं भी सामने आई हैं। बोलवार में पथराव की घटना में पुत्तूर से मंगलुरु जा रही एक बस को नुकसान पहुंचा है।

दंगों में आई कमी, गिरफ्तारी में हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने लोकसभा में बताया है कि, वर्ष 2018 से 2019 के बीच सांप्रदायिक दंगों के मामले में 761 लोगों को दोषी ठहराया गया है। इसके अलावा 8 हजार 565 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक सवाल के जवाब में मंत्रालय ने नेशनल क्राइम रेकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों को रखते हुए कहा कि, हर वर्ष दंगों में कमी आ रही है। दंगों को लेकर बहुजन समाज पार्टी के सांसद दानिश अली ने सवाल पूछा था।

उन्होंने पूछा था कि, क्या देश में दंगे हर वर्ष बढ़ रहे हैं। उन्होंने यह भी पूछा था कि, दंगों की जांच और पीड़ितों को राहत देने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है? एनसीआरबी की रिपोर्ट के मुताबिक इन वर्षों में 8 हजार 358 लोगों के खिलाफ चार्जशीट फाइल की गई है। हर वर्ष दिल्ली में गिरफ्तारियों, चार्जशीट और दोषी करार दिए जाने वालों की संख्या बढ़ी है।

आंकड़ों के मुताबिक 2018 में दिल्ली दंगों को लेकर कोई गिरफ्तारी नहीं हुई थी। 2019 में 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 2020 में 394 लोग गिरफ्तार हुए। बिहार में इस वर्ष सबसे ज्यादा गिरफ्तारियां हुईं। मंत्रालय ने बताया कि, अप्रैल 2008 से अगस्त 2016 के बीच पीड़ितों के परिवारों को 3 लाख रुपए की मदद दी गई है और अगस्त 2016 के बाद 5 लाख रुपए की मदद दी गई है।

इससे पहले लोकसभा में केंद्र ने बताया था कि, 2016 से 2020 के बीच दंगों के करीब 3 हजार 400 मामले दर्ज किए गए। वहीं केंद्र ने बताया था कि, केवल 2020 में सांप्रदायिक दंगों के 857 मामले दर्ज किए गए हैं। केंद्र ने बताया था कि, मॉब लिंचिंग का रिकॉर्ड एनसीआरबी के डेटा में नहीं होता है।

सही समय पर दिया जाएगा पूर्ण राज्य का दर्जा- गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी।

मॉनसून सत्र के दौरान राज्यसभा में गृह मंत्रालय ने कहा कि, सही समय पर जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाएगा। यह बयान मंत्रालय की तरफ से गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने दिया। उन्होंने जम्मू कश्मीर में आतंकियों द्वारा हमले में मारे गए कश्मीरी पंडितों का आंकड़ा भी पेश किया। कहा कि, वर्ष 2022 के दौरान किसी भी कश्मीरी पंडित घाटी से पलायन नहीं हुआ है।

मॉनसून सत्र की कार्यवाही के दौरान राज्यसभा में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि, सही समय पर जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य में चुनाव कराना चुनाव आयोग के हाथ में होता है।

वर्ष 2020, 2021 और 2022 के आंकड़े सदन में पेश करते हुए केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि, जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा मारे गए कश्मीरी पंडितों की संख्या क्रमशः 1, 4 और 1 है। रिकॉर्ड के अनुसार, वर्ष 2022 के दौरान कोई भी कश्मीरी पंडित कश्मीर घाटी से नहीं गया है। अभी भी घाटी में रहने वाले कश्मीरी पंडितों की संख्या 6 हजार 514 है।

बीएसएनएल के पुनर्द्धार के लिए पैकेज को मिली मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी।

केंद्रीय कैबिनेट ने सरकारी दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल के पुनरुद्धार के लिए 1.64 लाख करोड़ रुपए के पैकेज को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को बताया कि, सरकार बीएसएनएल को 4जी सेवाओं के विस्तार में मदद के लिए स्पेक्ट्रम का आवंटन करेगी। 33 हजार करोड़ रुपए की वैधानिक बकाया राशि को इक्विटी में बदला जाएगा। 33 हजार करोड़ रुपए के बैंक ऋण चुकाने के लिए बीएसएनएल सावरेन बांड जारी करेगा।

केंद्रीय इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि, मौजूदा वक?त में जि?ले से ब्लाक तक का नेटवर्क भारतीय संचार निगम लिमिटेड प्रबंधित करता है। यहां तक कि ब्लाक से पंचायत तक का नेटवर्क बीबीएनएल ही मैनेज करता है। दोनों समन्वय में दिक्कत न आए इसके लिए और बीएसएनएल के पुनरुद्धार के लिए बीबीएनएल और बीएसएनएल के विलय को मंजूरी दी गई। अश्विनी वैष्णव ने आगे कहा कि, हमें विश्वास है कि देश के कोने-कोने में ब्राडबैंड सेवा ले जाने में मदद मिलेगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 26 हजार 316 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से यूनिवर्सल सर्विस आब्लिगेशन फंड के माध्यम से देश के सभी अछूते गांवों में 4जी सेवा को ले जाने के लिए परियोजना को मंजूरी दी है। सरकार के कदम से गांवों में फोन नेटवर्क और इंटरनेट की स?पीड में बढ़ोतरी होगी। इससे आनलाइन शिक्षा को भी बढ़ावा मिलेगा।

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा लिए गए निर्णय के बारे में पत्रकारों को जानकारी देते हुए अश्विनी वैष्णव ने कहा कि, पैकेज में तीन तत्व हैं सेवाओं में सुधार, बैलेंस शीट डी-स्ट्रेस और फाइबर नेटवर्क का विस्तार। उन्होंने बताया कि, सरकार बीएसएनएल को 4जी सेवाओं की पेशकश करने के लिए स्पेक्ट्रम का प्रशासनिक आवंटन करेगी। बैलेंस शीट पर दबाव कम करने के लिए, 33 हजार करोड़ रुपए की सांविधिक बकाया राशि को इक्विटी में बदला जाएगा और इतनी ही राशि का बैंक ऋण कम ब्याज वाले बांडों के माध्यम से चुकाया जाएगा।

चुनाव आयोग के लिए चिंतन का विषय है खारिज मत

माही की गूंज, झाबुआ।

हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं और हाल ही में मध्यप्रदेश में नगरीय निकाय और पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव तथा देश में राष्ट्रपति का चुनाव संपन्न हुआ। एक और जहां देश का सर्वोच्च संवैधानिक पद और दूसरी और लोकतंत्र की सबसे छोटी इकाई पंच के पदों के लिए भी चुनाव हुए। जो कि हमारे लोकतंत्र की जीवंतता का प्रतीक है लेकिन पंच से लेकर राष्ट्रपति के चुनाव तक में एक बात में समान रूप से देखने को मिली है वो है ख़ारिज मत।

राष्ट्रपति चुनाव में 17 सांसदों के मत खारिज हुए जो कि चुनाव आयोग के लिए चिंता का विषय है। लगभग 10 लाख की जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करने वाला सांसद अगर सही ढंग से वोट नहीं डाल सकता है तो इसे आप क्या समझेंगे....? क्या सांसद महोदय ने अपने वोट जानबूझकर खारिज किए जिससे कि उन पर पार्टी की गाईडलाईन उल्लंघन का आरोप न लगे या फिर वास्तविकता में अपने मत का उपयोग नहीं कर पाए चुनाव आयोग के लिए यह विषय चिंतनीय है।

मध्यप्रदेश में नगरिय निकाय के चुनाव तो इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से हुए जिसमें तो मत खारिज नही हो सकते, लेकिन शहरी मतदाताओं ने बड़ी संख्या में नोटा का उपयोग कर उम्मीदवारों को आईना दिखाया हैं। लेकिन पंचायती चुनाव मतपत्र से ही कराए गए, जिसमें बड़ी संख्या में मत खारिज हुए कई जगहो पर खारिज मतों की संख्या जीत-हार के अंतर से ज्यादा रही है। इसका एक मुख्य कारण झाबुआ जिले के संदर्भ में अलग ही नजर आ रहा है ये चुनाव छोटे चुनाव थे और सीमित संख्या में मतदाता थे और प्रत्याशी भी स्थानीय थे कई जगह यह कारण सामने आया है कि, इन चुनावों में धन-बल का जमकर उपयोग हुआ है और मतदाताओं को धन का प्रलोभन दिया गया था और बदले में उन्हें वोट देने की कसम खिलाई गई थी। जिले में कसम का बड़ा महत्व है। कसम खाने या इष्टदेव के सामने जल संकल्प के बाद बदलने की संभावना बहुत कम रहती है और स्थानीय चुनाव होने से दो या अधिक प्रत्याशियों ने मतदाताओं को प्रलोभन देकर संकल्प दिलवा दिया, ऐसे में मतदाता ने बीच का रास्ता निकाला जिसमें संकल्प भी ना टूटे व प्रत्याशी का विश्वास भी ना टूटे और कई मतदाताओं ने या तो दोनों को या फिर दोनों के बीच में निशान लगाकर मतदान कर दिया। जिससें मत ख़ारिज हो गया यह स्थिति पंच, सरपंच के चुनाव में ही नहीं बल्कि उपसरपंच के चुनाव में भी देखने को मिली जहां चुने हुए पंचों ने उपसरपंच के लिए किए गए मतदान में या तो ठीक बीच में मोहर लगा दी या फिर दोनों ही प्रत्याशियों के सामने मोहर लगा दी।

आजादी के अमृत महोत्सव में इसे लोकतंत्र पर दाग ही कहा जाएगा। जहां मतदाता अपने मन का मूल्य प्रत्याशियों से वसूलने में परहेज नहीं करता है। चुनाव आयोग को चाहिए कि, वह इस विषय पर चिंतन करें और लोकतंत्र भी इस विकृति पर सार्थक रास्ता निकालने का प्रयास करें। जहां प्रत्याशी मतदाता को न प्रलोभन दे पाए और न ही मतदाता किसी प्रकार का प्रलोभन स्वीकार कर सके, जिससे स्वस्थ्य लोकतंत्र की नई इबारत लिखी जा सके और हमारा अमृत महोत्सव मनाना सार्थक साबित हो सके।

टीएमसी के 38 विधायक भाजपा के संपर्क में – मिथुन चक्रवर्ती

कोलकाता।

बीते वर्ष विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा के जरिए बंगाल की राजनीति में एंट्री करने वाले मिथुन चक्रवर्ती ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने दावा किया है कि, टीएमसी के 38 विधायक भाजपा के संपर्क में हैं। यही नहीं उन्होंने कहा कि, 21 विधायक तो सीधे मेरे संपर्क में हैं। उनके दावे के बाद बंगाल की राजनीति में कयासों का दौर तेज हो गया है। मिथुन चक्रवर्ती ने कहा कि यदि टीएमसी के लोग कहते हैं कि हम जनता के प्यार से जीते हैं तो फिर डर किस बात का है।

महाराष्ट्र में सत्ता बदल सकती है तो फिर बंगाल में क्यों नहीं?

मीडिया से बात करते हुए मिथुन चक्रवर्ती ने कहा, मैं आपको एक ब्रेकिंग न्यूज दे रहा हूं। तृणमूल के 38 विधायक भाजपा के संपर्क में हैं। उनमें से 21 मेरे सीधे संपर्क में हैं। उन्होंने कहा, जब मैं बंबई में था। एक सुबह मैं उठा और सुना कि भाजपा शिवसेना की सरकार बनेगी। अगर यह महाराष्ट्र में किया जा सकता है तो यहां क्यों नहीं किया जा सकता है? हालांकि मिथुन के दावे को सही भी मान लें तो 38 टीएमसी विधायकों के भाजपा में आने से भी सरकार नहीं बनेगी। भाजपा के फिलहाल राज्य में 69 विधायक हैं और 38 और विधायक मिलने के बाद यह आंकड़ा 107 का हो जाएगा।

राज्य में सत्ता में आने के लिए जादुई आंकड़ा 144 का है। ऐसे में इन विधायकों के टूटने के बाद भी उसे 37 और विधायकों की जरूरत होगी। मिथुन चक्रवर्ती ने कहा कि, टीएमसी नेताओं का मतलब चोर है। जनता उन्हें वोट देकर लाई थी। लेकिन अब राज्य में स्थिति ऐसी हो गई है कि केवल भगवान ही बचा सकते हैं।

भाजपा के खिलाफ दुष्प्रचार

मिथुन ने यह भी कहा कि, भाजपा के खिलाफ तरह-तरह के दुष्प्रचार किए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि भाजपा दंगा कर रही है। भाजपा को मुसलमान पसंद नहीं हैं। साजिश के तहत ऐसा फैलाया जा रहा है। मुझे दिखाओ कि भाजपा ने पिछले एक वर्ष में कहां दंगा किया है। देश के 18 राज्यों में भाजपा सत्ता में है। अगर उन्हें मुसलमान पसंद नहीं हैं तो 3 सबसे बड़े मेगास्टार मुसलमान कैसे हो गए?

नगरपालिका की उदासीनता के चलते शहर में जहां-तहां लग रहे गंदगी के ढेर

तमाम असुविधाओं के बीच स्वच्छता सर्वेक्षण में अच्छी रेंकिंग का सपना बैमानी ही साबित होगा

माही की गूंज, झाबुआ।

वैसे तो नगरपालिका झाबुआ स्वच्छता सर्वेक्षण में मुंह की खा रही है, लेकिन अब स्थिति और ज्यादा भयानक होती नजर आ रही है। शहर में लगे कुड़े के ढेर नगरपालिका द्वारा बजाई जा रही स्वच्छता की पीपड़ी को खोखला साबित कर रहे है। नगरपालिका के जिम्मेदार अधिकारी भी अब फोटो खिंचाउ साबित हो रहे है। काम कम नाम ज्यादा के चक्कर में जिम्मेदारों ने शहर को बदहाल कर दिया है। शहर के बीचों बीच लगे कचरे के ढेर नगरपालिका की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह लगा रहे है। शहर के बीचो बीच पुराने गैस गोडाउन के समीप पसरी गंदगी नगरपालिका के तमाम दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। शहर के मेन बाजार से होते हुए सब्जी मंडी के समीप बने पुराने गैस गोडउन के इन दिनों हाल बेहाल है। कारण यह कि अब यहां से गैस गोडाउन को स्थानांतरित कर दिया गया है। खाली पड़े गैस गोडाउन और चहल-पहल खत्म होने से यहां लोगों ने कचरा और गंगी फैकना शुरू कर दी। देखते ही देखते हालात ऐसे हो गए कि इस स्थान पर कचरे व गंदगी का अंबार लग गया। मगर इस बात की खबर या भनक नगरपालिका को अब तक नहीं लग पाई। या यूं कहें कि नगरपालिका ने जानबूझ कर इस ओर ध्यान नहीं दिया।

इसी गंदगी और कचरे के बीच एक चालु अवस्था में हेंडपंप भी है जिसका उपयोग पड़ोस की बस्ती वाले करते है। यह हेंडपंप भी अब पूरी तरह से गंदगी की चपेट में आ चुका है। चारों ओर कचरे व गंदगी के ढेर होने के बावजूद बस्ती वाले इस हेंडपंप का उपयोग करने को मजबूर है। शाम ढलते ही यह स्थान मैखाने में तब्दील हो जाता है। इस स्थान पर बैठकर शराब पीने वाले लोग इसी हेंडपंप के पानी का इस्तेमाल करते है। पहले यहां कांग्रेस कार्यलय, बीजेपी कार्यालय तथा गैस गोडाउन हुआ करता था, जिसके चलते यहां चहल-पहल बनी रहती थी। लेकिन अब यहां ना कांग्रेस कार्यालय रहा, ना बीजेपी कार्यालय रहा और ना ही गैस गोडाउन। कुल मिलाकर नशेड़ियों के लिए यह एक खुला मैखाना बन चुका है। यहां बैठकर पीने वाले प्लास्टीक के डिस्पोजल और अन्य कचरा व गंदगी हैंडपंप के समीप ही फैंककर चले जाते है। जिसके कारण यहां स्थिति और गंभीर होती जा रही है।

सब्जी मंडी के भी बुरे है हाल

इसी के समीप बनी सब्जी मंडी के भी हाल कुछ ठीक नहीं है। कहने को नगरपालिका ने सब्जी व्यवसायियों को यहां बैठने के लिए जगह दी है। मगर सुविधा के नाम पर यहां सब कुछ शुन्य ही है। बारिश में यहां हालात और अधिक बिगड़ जाते है। पहले यहां चाचा नेहरू बाल उद्यान हुआ करता था, लेकिन तत्कालीन कलेक्टर चंद्रशेखर बोरकर ने शहर को व्यवस्थित व यातायात को सुचारू करने के लिए सब्जी व्यवसायियों को यहां बैठाने के निर्देश नगरपालिका को दिए थे। बोरकर के जाने के बाद नगरपालिका ने इस सब्जी मंडी का ऐसा पतीला किया कि यहां पर व्यवसाय करने वाली सब्जी व्यापारियों को हर रोज परेशानी का सामना करना पड़ता है। सब्जी मंडी में यूं तो नगरपालिका द्वारा कचरा डालने के लिए एक ट्रेक्टर ट्राली रखी है, लेकिन इसे खाली करवाने को लेकर जरा सी भी सजगता नगरपालिका द्वारा नहीं दिखाई जाती। महीनों गुजर जाते लेकिन सब्जी मंडी में खड़ी इस ट्राली का कचरा फिकवाया नहीं जाता। व्यापारियों द्वारा सड़ी हुई सब्जी इस ट्राली में डाली तो जाती मगर नगरपालिका इसे खाली नहीं करवा पाती। नतीजा यह होता कि सड़ी हुई सब्जियां ट्राली के भर जाने के बाद इधर-उधर फैलती और बदबू पैदा करती। जिससे दुकानदारों सहित सब्जी खरीदने आने वालों को भयंकर गंदगी और बदबू का सामना करना पड़ता। बारिश में यह स्थिति और ज्यादा भयावह होती नजर आती है। पूरी मंडी में जहां-तहां पानी भर जाता जिससे पूरी मंडी में कीचड़ नुमा दलदल सी स्थिति हो जाती। यहां तक कि पैदल चलना भी दुभर हो जाता। सब्जी मंडी में व्याप्त इस तरह की अव्यवस्थाओं पर नगरपालिका का अब कोई ध्यान नहीं है।

ऐसे तो नहीं ले पाएंगे स्वच्छता सर्वेक्षण में अच्छी रेंकिंग

शहर के मध्य पसरी इस तरह की गंदगी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि नगरपालिका किस तरह स्वच्छता सर्वेक्षण में अपने आपको अच्छी रेंकिंग दिलवा पाएगी। वैसे तो नगरपालिका में कई तरह की अनियमितताएं व्याप्त है। लेकिन शहर को साफ-सुथरा रखना नगरपालिका की मौलिक जिम्मेदारी है। मगर नगरपालिका इस पर भी खरा उतरने में नाकाम साबित हो रही है। शहर के तालाबों का सौंदर्यीकरण अब तक नही हो पाया है, शहर में जहां-तहां गंदगी पसरी पड़ी है, नगरपालिका द्वारा बनाए गए शौचालयों के बुरे हाल है, शहर में आवारा मवेशियों का डेरा है, शहर में जलआपुर्ति में भी नगरपालिका फिसड्डी ही साबित हो रही है, तो फिर स्वच्छता सर्वेक्षण में अच्छी रेंकिंग का सपना देखना बैमानी ही होगा।

रहजनों का गिला नहीं- रहबरों से कुछ मिला नहीं

चौराहे से चौपाल तक...
निसार पठान

मेघनगर नगरपरिषद के चुनाव बीते सप्ताह संपन्न हुए। भाजपा के आठ, कांग्रेस के छः व एक निर्दलीय पार्षद चुने जाने से स्थिति स्पष्ट रूप से भाजपा के पक्ष की प्रतीत होती है। अंदरखाने से कुछ सुगबुगाहट भी अपने-अपने खेमे के उपाध्यक्ष हेतु देखने को मिल रही है। कांग्रेस फिलहाल मौन व आत्म मंथन में है। भाजपा उत्साह के साथ आगामी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष अपनी पार्टी के हो इसलिए पुर्णतः सतर्क भी है व स्थिति पर पैनी नजर रखे हुए है। उक्त चुनाव में वार्ड नंबर 15 व वार्ड नंबर 1से भाजपा के पूर्व जनपद अध्यक्ष राजू डामोर व पूर्व नगरपरिषद अध्यक्ष ज्योति नटवर बामनिया की हार पर उनके समर्थक कई समिकरणों को दोषी बता रहे है। कोइ कह रहा वार्ड बदलना महंगा पड़ा तो कोई अप्रत्यक्ष रूप से पार्टी के खेमेबाजों को अपने-अपने समर्थकों तक सिमित रह इन्हे अकेला छोड़ने का कारण बता रहा है। चर्चाएं चटखारे के रूप में यह भी है कि विपक्ष से ज्यादा अपने पक्ष के लोगों ने अप्रत्यक्ष अपने सिपहसालारों के लिए उक्त हार पर विवश किया। ठीक स्थिति प्रतीत होती है, हमें तो अपनो ने लूटा गैरों में कहां दम था। किसी शायर ने सही कहा है रहजनों का गिला नहीं- रहबरों से कुछ मिला नहीं।

नगर की फिजाओं में केमीकल का जहर घोलने वाले- प्रशासन मौन, नही कोई बोलने वाले

मेघनगर ओद्योगिक क्षेत्र में केमिकल के कहर से क्षेत्रवासी लंबे समय से जूझ रहे है। वनवासियों की परम्परा जल, जंगल, जमीन पर केमिकल प्लांट के संचालकों का जाल बिछ रहा है। नगर के ट्रेड केमिकल के हालही में आए प्रबंधक अजय पुरी की मनमानी व पर्यावरण सुरक्षा से दूरी भी चर्चा में है। प्रदुषण बोर्ड के अधिकारी महज रस्म अदायगी कर आला होटल में खा - पीकर जांच की इतिश्री कर लेते है। बताते है कि पुरी इन दिनों अंबरिश पुरी बना कभी केंटीन वालों से विवाद तो कभी फेक्ट्री के 70 प्रतिशत स्थानीय कर्मचारी हटाने पर फेक्ट्री घाटे में चल रही कहकर चर्चाओं में है। ज्ञातव्य है कि मेघनगर में केमिकल फेक्ट्रीयों का जाल बिछ रहा है। प्रदुषित धुंआ आमजनों की सांसो में घुल रहा है, तो बरसाती पानी में वॉटर ट्रिटमेंट की उचित प्लानिंग के अभाव में केमिकल का दुषित जल नाले में मिलने से पूर्व में कई पशु कालकलवित हो चुके है। तो भविष्य में क्षेत्र की जमीन भी बनजर होने का खतरा बना हुआ है।

कृष्णा फास्केम में भी केमिकल प्लांट के दुषित जल मिलने की कुछ फतेपुरा, आमली पठार, फुटतालाब के रहवासी पूर्व में शिकायत कर चुके है। यहां के प्रबंधक दुबे भी कभी फोन नहीं उठाते। उनके अधिनस्त जोशी जी भी किसी मुद्दे पर बात करने से कतराते है। बस एक ही जवाब दुबे जी नहीं है। आखिर दुबे जी के फोन रिसिव ना करने का क्या राज है, यह तो वही जाने। किंतू फिलहाल केमिकल के दुषित जल बरसाती पानी में भविष्य के कल पर सवालिया निशान छोड़ रहा है। स्थानीय प्रशासन व जिला प्रशासन भी उक्त भयावह खतरे को जानते हुए भी इन केमिकल प्लांटों की मनमानी पर मौन है।

अतिथि तुम कब आओंगे

स्कूल शुरू हुए डेढ़ माह हो चुका है। किंतू मेघनगर विकासखंड सहित जिले में शिक्षकों के पद बड़े पैमानें पर रिक्त होने से व अधिकांश स्कूली शिक्षक अमले का विगत एक माह से चुनाव कार्य में व्यस्त होने से स्कूलों में बच्चों की स्थिति विषय विशेषज्ञ के अभाव में राम भरोसे है। शासन के सीएम राइस स्कूल प्रारंभ करने की एक ओर कवायद हो रही है तो दूसरी ओर स्कूलों में अव्यवस्था व अनियमितता का बोलबाला है। 15 जून से स्कूल शुरू हो गए लेकिन पूर्ववत अतिथि शिक्षकों को अभी तक यथावत नहीं किया। अब बताते है लोकशिक्षण कार्यालय के आदेशानुसार अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है। एक ओर अतिथि शिक्षकों की प्रक्रिया चल रही है तो दूसरी ओर पोर्टल में पद जनरेट नहीं होने से भी नए अतिथियों को दिक्कतें आ रही है। कई मृत शिक्षकों तो कई सेवानिवृत्त शिक्षकों के नाम भी पोर्टल से नहीं हटे है। मेघनगर कन्या उमावि में तो गत वर्ष भी बीईओ देवहरे की लापरवाही से हिंदी शिक्षक की नियुक्ति ही नहीं हुई। जबकि यहां पर हिंदी व्याख्याता निर्मल तिपाठी के कोरोना में निधन के बाद हिंदी का पद रिक्त है। पूर्व में हिंदी शिक्षण की समस्या भी छात्राओं ने बताई थी। उत्कृष्ट विद्यालय मेघनगर जो कि सीएम राइस स्कूल के कगार पर है यहां भी गत वर्ष राजनीतिक शास्त्र व इतिहास के अतिथि व्याख्याता की नियुक्ति नहीं हुई थी। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रंभापुर में भी व्याख्याता के पद रिक्त होने के बाद भी वाणिज्य, राजनीतिक शास्त्र, भौतिकी के शिक्षक नियुक्त नहीं हुए। इस तरह कई पद स्थानीय स्कूल प्रशासन की लापरवाही से खाली रहे। एक ओर स्कूलों में अतिथि व्याख्याताओं व अतिथि शिक्षक वर्ग दो के पद रिक्त है, तो रंभापुर, उत्कृष्ट विद्यालय मेघनगर, कन्या उमावि मेघनगर आदि स्कूलों में हायर सकेंडरी कक्षाओं का संचालन जो युडीटी भी नहीं है वे कर रहे है। यदि जनजाती विभाग के संभागीय उपायुक्त ब्रजेश पांडे उक्त मसले पर ध्यान दें व प्रयमरी, मीडिल स्कूल में इन शिक्षकों को मर्ज करें तो बैचारे नवीन अतिथि शिक्षकों, व्याख्याताओं को कुछ लाभ मिल सके।

मन भावन सावन- अंचल हुआ शिवमय

नगर व अंचल में हरियाली के चलते खुशहाली का महौल है। गांवों में खेतों से लेकर मैदानों ने हरियाली की चादर ओढ़ ली है। तो कृषक भी खेतों में व्यस्त है। रंभापुर, खच्चरटोड़ी, अगराल, पिपलोदा आदि क्षेत्र में तलाईयों में पानी भर जाने से धान की फसल रोपी जा रही है। मौसम भी धूप-छाव से सुहाना बना हुआ है। कभी तेज बारिश तो कभी हल्की फुहारों से अंचल का नजारा रमणिक हो गया है। सावन व शिव का तालमेल होने से भक्ति का माहौल भी क्षेत्र में है। अधिकांश ग्रामीण मासाहार व शराब से मुक्त हो शिव की भक्ति में लीन है। नगर के शिवालयों सहित तीर्थ स्थल पीपलखूंटा, फुटतालाब व शिवगढ़ में शिवभक्तों का सुबह-शाम तांता लगा रहता है। हर सोमवार दुधेश्वर महादेव मंदिर पर श्रद्धलुओं की भीड़ बढ़ रही है। कई शिवभक्त अखंड शिव जाप व मिट्टी के शिवलिंग निर्माण भी पूजन -अर्चन सहित कर रहे है। पिपलखूंटा महंत 1008 दयारामदास जी बताते है कि सावन में शिव जाप करने से सुख-समृद्धी के साथ आरोग्य की वृद्धी भी होती है। भोलेनाथ तो मन के स्वामी है। मन की इच्छा जान सारे मनोरथ पूर्ण करते है। नगर के रामचरित मानस मंडल द्वारा भी प्रतिदिन संगीतमय सुंदरकांड घर-घर किया जा रहा है। रामचरित मानस मंडल के संस्थापक संजय श्रीवास, प्रमुख परामर्शदाता वरिष्ठ सदस्य हरिराम गिरधाणी, आनंदीलाल पडियार, गणेश प्रजापत, अशोक बंधु, सागरमल जैन, दीलीप ठाकूर, पांजेल, सुजानसिंह नायक आदि निरंतर संगीतमय सुंदरकांड कार्यक्रम में सक्रिय है। रंभापुर में भी रंभासागर मंदिर व पंचमुखी हनुमान मंदिर पर सावन माह में रामायण पाठ व शिवजाप किया जा रहा है। लोकेन्द्रसिंह कटारा, हमीरसिंह असारा, कैलाश असारा आदि निरंतर शिवमय कार्यक्रम में सतत जुड़े है।

चलते-चलते

आज मेघनगर जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष का निर्णय शाम तक होगा। कांग्रेस का पलड़ा अपने सदस्यों की संख्या के चलते भारी है किंतू पूर्व के वर्षों में सत्ता में रही व जनपद में भाजपा का कब्जा होने से भाजपा भी आया मौका नहीं चूकने की तर्ज पर रणनीतिक रूप से गेम्बलर बन बाजी पलट भी सकती है। जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष किस दल का होगा। फिलहाल मामला भविष्य के गर्भ में है किंतू मध्यप्रदेश की पूर्व कांग्रेस सरकार जीत के बावजूद पलट गई व महाराष्ट्र की सरकार में भी बदलाव आ गया। इसलिए राजनीति के सह-मात के खेल में कब क्या कुछ हो जाए कह नही सकते।

संत नागा देव नारायणदासजी नागाजी महाराज की मनाई पुण्यतिथि

माही की गूंज, थांदला।

राष्ट्रवादी संत महंत नागा देव नारायणदासजी नागाजी महाराज की 29वीं पुण्यतिथि अष्ट हनुमानजी बावड़ी मंदिर प्रांगण पर गुरु पूजन आरती एवं भंडारे के साथ संपन्न हुई।इस अवसर पर अंचल सहित आसपास से बड़ी संख्या में नागाजी के अनुयाई शिष्य मंडल सम्मिलित हुए। सभी भक्तों में ने नागाजी महाराज के पादुका पूजन कर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किए। नागाजी महाराज की आरती महंत नारायण दासजी द्वारा उतारी गई। आयोजन में शेष नारायण पुरीजी महाराज मंदसौर, देवीदासजी महाराज दूल्हा खेड़ी, महंत सुखरामदासजी महाराज शांति आश्रम, बालपुरीदासजी महाराज, सेवकदासजी महाराज रूपगढ़, रामदास महाराज चैनपुरी, न्यास मण्डल अध्यक्ष अशोक अरोड़ा, न्यासी विट्ठल शर्मा, तुलसीराम मेहते, गणराज आचार्य, महेश नागर, दिलीप पांचाल द्वारा सभी का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में ओम प्रकाश भट्ट, किशोर आचार्य, भगवान लाल शर्मा, भूषण भट्ट, राकेश सोनी, दिलीप डामोर, सुनील पणदा, सुरेशचंद्र शुक्ला, नीरज भट्ट, पंडित कैलाश आचार्य, पंडित जितेंद्र पाठक, पण्डित प्रवीण भट्ट, राजू धानक, मुकेश भट्ट, पंकज चौहान, गिरधारी राठौड़, पत्रकार आत्माराम शर्मा, मनीष वाघेला सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु जन उपस्थित थे।

घर-घर हुआ पार्थिक शिवलिंग का महाभिषेक

माही की गूंज, कुंदनपुर।

इन दिनों प्रदेश भर में सावन माह में शिव भक्ति का हर्षोल्लास देखने मिल रहा है, जहां भक्त अपने भगवान भोलेनाथ का पूजन अर्चन करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान मंदिरों में जहां श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें लगी हुई है, तो वहीं अलग-अलग तरह के धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला भी जारी है। ऐसे में सावन माह की शिवरात्रि यानी 26 जुलाई को शाम 7 से 8 बजे तक एक बार फिर विश्व भर के सभी श्रद्धालु पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर भगवान शिव का महाभिषेक किया। जहां इसके लिए कथा वाचक प्रदीप मिश्रा ने सभी श्रद्धालुओं से अपने-अपने घरों में पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर महाभिषेक करने का संदेश दिया था। इस दौरान कुंदनपुर में भी श्रद्धालु ने ऑनलाइन यानी टीवी और मोबाइल के माध्यम से रुद्राभिषेक की विधि समझकर, अपने-अपने घरों में भगवान शिव का पूजन-अर्चन करते नजर आए।

सलोनी शाहजी के ग्यारह व मनोरमा लोढ़ा के अट्ठाई तप का श्रीसंघ ने किया बहुमान

माही की गूंज, थांदला।

स्थानीय पौषध भवन पर विराजित संत मण्डल पूज्य श्री चन्द्रेशमुनिजी एवं पूज्य श्री सुयशमुनिजी तथा महासती पूज्या श्री निखिलशीलाजी म.सा. आदि ठाणा-4 के पावन सानिध्य में आराधक धार्मिक ज्ञान के साथ तपस्या कर रहे है। धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए स्वाध्याय प्रेमी पूज्य श्री चन्द्रेशमुनिजी ने कहा कि, जीव राग व द्वेष के वशीभूत अपना संसार बढ़ा रहा है। जिस व्यक्ति से उसका राग होता है उसके दोष भी गुण रूप लगते है जबकि द्वेष में जीव गुण को भी नजर अंदाज कर देता है। उन्होनें संसार से अरुचि निर्वेग भाव का आध्यात्मिक महत्व बताते हुए कहा कि, जब जीव में निर्वेग भाव आते है तो वह धर्म के निकट आता है और अपना संसार घटा लेता है, लेकिन इसके लिए इन्द्रिय विषयों व कामभोग की आसक्ति छोड़ना आवश्यक है। धर्म सभा में पूज्य श्री सुयशमुनिजी ने मृगापुत्र चारित्र के माध्यम से तप के अभ्यन्तर भेद का वर्णन करते हुए स्वध्याय, ध्यान व कायोत्सर्ग तप की विशेषता बताई।

तपस्वियों का हुआ बहुमान

चातुर्मास काल के श्रावण भादौ मास में थांदला नगर में तपस्या का दौर चल रहा है। जिनमें बाल वृद्ध युवा सभी वय के आराधक तपस्या कर रहे है। इन्ही तपस्याओं में अणु बालिका मण्डल अध्यक्ष कु. सलोनी अनिल शाहजी ने 11 उपवास व धर्मलता महिला मंडल की सदस्य श्रीमती मधु बहन लोढ़ा ने 28 उपवास की तपस्या के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। दोनों ही तपस्वियों के लिए क्रमशः श्रीमती पिंकी रुनवाल ने 16 उपवास तथा सूरजमल श्रीमाल ने 11 उपवास की बोली लगाकर श्रीसंघ कि ओर से बहुमान किया।

अधिकारी पर अभद्र व्यवहार करने व मानसिक प्रताड़ना के लगाए आरोप

आउटसोर्स कर्मचारियों ने कलेक्टर को की शिकायत

माही की गूंज, झाबुआ।

यूं तो भारत सरकार के ऊर्जा विभाग एवं राज्य शासन के सहयोग से आजादी के अमृत महोत्सव पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में जिले में ''उज्जवल भारत-उज्जवल भविष्य पॉवर / 2047'' के दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। यह कार्यक्रम 26 जुलाई मंगलवार को दोपहर 12 बजे से झाबुआ में मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका परियोजना सभागृह में तथा 27 जुलाई बुधवार को उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर पेटलावद में आयोजित किया गया। आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद रतलाम-झाबुआ गुमानसिंह डामोर तथा विशिष्ट अथिति के रूप में विधायक झाबुआ कान्तिलाल भूरिया, विधायक थांदला वीरसिंह जी भूरिया, विधायक पेटलावद वालसिंह मेड़ा उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त जनप्रतिनिधिगण एवं जिला प्रशासन सहित विद्युत वितरण कंपनियों के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ता को केंद्र तथा राज्य सरकार की विद्युत उपभोक्ताओं के हित में संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही देश में विद्युत विकास के निरंतर प्रगति के संबंध में लघु फिल्मों का प्रदर्शन नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रदर्शित किए गए।

हो रहे शोषण का शिकार

इसके विपरीत मध्यप्रदेश पश्चिमी क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के आउटसोर्स कर्मचारी अपनी बदहाली और अधिकारियों की तानाशाही के चलते शोषण का शिकार हो रहे है। अधिकारियों के उटपटांग आदेशों और धमकियों ने इन आउटसोर्स कर्मचारियों का जीना दुभर कर दिया है। इन आउटसोर्स कर्मचारियों से 12 से 14 घंटे लगातार काम करवाया जा रहा है। विरोध करने पर इन्हे कार्य मुक्त करने की धमकियां अधिकारियों द्वारा दी जा रही है। अपनी इसी समस्या को लेकर मंगलवार को आउटसोर्स कर्मचारियों का एक दल कलेक्टर से अपनी व्यथा बताने जनसुनवाई में पहुंचा।

जनसुनवाई में दिया आवेदन

मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में मध्यप्रदेश पश्चिमी क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी रायपुरिया के आउटसोर्स कर्मचारियों ने आवेदन देकर बताया कि हम समस्त आउटसोर्स कर्मचारी के रूप में कार्यालय सहायक यंत्री मप्र पक्षे विवि कंपनी रायपुरिया में कार्यरत है। सहायक यंत्री द्वारा 16 जुलाई को पत्र क्रमांक 6915 जारी कर निर्देशित किया गया है कि समस्त आउटसोर्स कर्मचारी प्रतिदिन प्रातः 8.30 बजे स्वयं की लाईव लोकेशन रायपुरिया डीसी व्हाटसएप ग्रुप में प्रेषित करेंगे। जिसके बाद 8.30 बजे से अपने पूर्व निर्धारित केम्प में प्रतिदिन 50 उपभोक्ताओं से राजस्व वसूली का कार्य करेंगे। उसके बाद दोपह 12.30 बजे से मीटर रीडर रोटेशन के अनुसार दिए गए स्थान पर शाम 4.30 बजे तक प्रतिदिन 150 पीएमआर रीडिंग करेंगे तथा उसके बाद 5 बजे तक रायपुरिया कार्यालय में उपस्थित होकर की गई राजस्व वसूली जमा करेंगे और उपस्थिति रजिस्टर में हस्ताक्षर करेंगे। तभी आपकी उपस्थिति मान्य होगी।

अपने आवेदन में कर्मचारियों ने बताया कि शासन के नियमानुसार किसी भी कर्मचारी से 8 घंटे से अधिक कार्य नहीं कराया जा सकता। किंतू रायपुरिया वितरण केंद्र के समस्त आउटसोर्स कर्मचारियों से प्रतिदिन 12 से 14 घंटे कार्य करवाया जा रहा है तथा रात्रि में यदि किसी कारणवश लाइन खराब होती है, तब भी वितरण केंद्र प्रभारी द्वारा फोन कर कार्य पर बुलाया जाता है। किसी योजना से संबंधित समस्त सर्वे का कार्य भी ऑनलाइन होने के कारण आउटसोर्स कर्मचारी मीटर रीडरों से करवाया जाता है। साप्ताहिक अवकाश भी नहीं दिया जाता तथा किसी कर्मचारी को अति-आवश्यक कार्य होने पर अवकाश मांगने पर वितरण केंद्र प्रभारी अभद्र व्यवहार करता है और छुट्टी देने से भी मना कर देता है। वेतन कांटने और कार्य से निष्कासित करने की धमकियां भी कंद्र प्रभारी द्वारा दी जाती है। विगत कुछ समय से हम समस्त आउटसोर्स कर्मचारी मानसिक रूप से दबाव में है और खुद को शोषण का शिकार होता महसूस कर रहे है।

संदर्भित पत्र अनुसार कार्य करने हेतु दी गई समयसारणी एवं स्थान का विवरण करते हुए आउटसोर्स कर्मचारी बताते है कि समस्त आउटसोर्स कर्मचारियों का मासिक वेतन 8 से 10 हजार रुपये ही होता है। चूंकि इसी वेतन में जो कार्य विभाजन, समय एवं स्थान निर्धारित किया गया है उसके अनुसार इतने कम वेतन में कार्य करना एवं जीवन यापन करना संभव नहीं है। किसी भी व्यक्ति द्वारा एक दिन में 50 उपभोक्ताओं से राजस्व वसूली का कार्य करना भी असंभव है। बकायादारों की लाइन काटने का दबाव भी वितरण केंद्र प्रभारी द्वारा बनाया जाता है। दिए गए कार्य पूर्ण नहीं होने पर अभद्र व्यवहार व कार्य से निष्काशित करने की धमकी दी जाती है। इस स्थिति में अगर किसी आउटसोर्स कर्मचारी के साथ मानसिक रूप से प्रताड़ित होने के कारण कोई अप्रिय घटना घटित होती है तो उसकी संपूर्ण जवाबदेही वितरण केंद्र प्रभारी की रहेगी। आउटसोर्स कर्मचारियों से रात्री गश्त भी करवाई जाती बावजूद इसके उन्हे सुबह 7.30 बजे लाइव लोकेशन रायपुरिया डीसी व्हाटसएप ग्रुप में भेजने हेतु ग्रुप मेसेज किया जाता जो अनुचित है। मांग करते हुए कर्मचारियों ने प्रत्येक रविवार को साप्ताहिक अवकाश प्रदान करने व अति आवश्यक कार्य होने पर कंपनी के नियमों के अनुसार 15 दिन का अतिरिक्त अवकाश देने की गुहार लगाई।

दिया तले अंधेरा

विद्युत वितरण कंपनी के आउटसोर्स कर्मचारियों के इस शिकायती आवेदन के बाद यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि विद्युत वितरण कंपनी में अधिकारियों की तानाशाही किस कदर हावी है। जबकि जिले में ''उज्जवल भारत-उज्जवल भविष्य'' के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ता को केंद्र तथा राज्य सरकार की विद्युत उपभोक्ताओं के हित में संचालित योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। साथ ही देश में विद्युत विकास के निरंतर प्रगति के संबंध में लघु फिल्मों का प्रदर्शन नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रदर्शित किए जा रहे है। मगर अपने ही कर्मचारियों को प्रताड़ित कर उनका शोषण किया जा रहा है। यह सारा घटना क्रम ऐसा हो गया मानो ''दिया तले अंधेरा''।

पंचायत चुनाव में लगातार सामने आ रही है लापरवाही, उपसरपंच चुनाव में पीठासीन की गलती से हारी प्रत्याशी

दो प्रत्याशि और 21 वोट तक ठीक से नहीं डलवा सके पीठासीन अधिकारी, विवाद की स्थिति हुई निर्मित

माही की गूंज, पेटलावद।

पेटलावद विकास खण्ड में चुनाव में मतदान दल की लगातार लापरवाही सामने आ रही है जिसके चलते कई पंचायतो में विवाद की स्थिति बन गई। पंचायत चुनाव के मामले अभी शांत भी नही हुए थे कि, उपसरपंच पद के लिए हुए मामलू 15 से 20 वोट के चुनाव में भी लापरवाही के मामले सामने आए हैं। विकास खण्ड की ज्यादातर पंचायतो में उपसरपंच पद के लिए निर्विरोध चुनाव हुए। जहाँ चुनाव हुए वहां से अब विवाद सामने आने लगे है।

मामला विकास खण्ड की ग्राम पंचायत बेकलदा का है। जहाँ उपसरपंच पद के लिए हुए चुनाव में पीठासीन की लापरवाही के कारण हार होने का आरोप उपसरपंच प्रत्याशी ने लगाया है। ग्राम पंचायत बेकलदा की पंच संगीता निनामा द्वारा 25 जुलाई को सम्पन्न उपसरपंच चुनाव में अपनी दावेदारी पेश की थी। संगीता निनामा ने बताया कि, उसके पक्ष में 12 पंच थे और सामने गाँव की ही संगीता कुंवर सिसोदिया रही थी। चुनाव प्रकिया के दौरान पीठासीन अधिकारी ने सभी पंचो को बोर्ड पर एक व दो नम्बर पर रहने वाली प्रत्याशी की जानकारी दी और वोटिंग के बाद पीठासीन ने बताया कि, संगीता कुंवर को 14 और संगीता निनामा को 6 ओर एक मत नाटो में गया है।

दोनों प्रत्याशी के मध्य एक जगह छोड़ने से सही वोट नहीं कर पाए पंच

हारने के बाद संगीता ने बताया कि, पीठासीन द्वारा बोर्ड पर एक ओर दो नम्बर की जानकारी दी लेकिन जो मतपत्र तैयार किये उसमे एक ओर दो प्रत्याशी के मध्यम एक जगह छोड़ दी गई और नाटो को चौथे स्थान पर रखा गया। जिससे पंच को भारी लगतफेमि हुई और पड़े लिखे पंचो ने नाम पढ़ कर 6 मत दिए और 5 अनपढ़ पंचो में पीठासीन द्वारा बताए एक ओर दो नम्बर के अनुसार मुझे दो नंबर पर मान कर 5 वोट खाली छोड़ी गई जगह पर लगा दिए। एक वोट नाटो में गया और 9 वोट पहले स्थान पर लिखे नाम संगीता सिसोदिया को मिले। जब पीठासीन ने मतपत्र गिने तो खाली स्थान पर गिरे 5 मत को जो कि दूसरे स्थान के कारण मुझे दिए गए थे उनको पहले स्थान वाली प्रत्याशी के खाते में जोड़ कर उनके कुल 14 मत बता कर विजय घोषित कर दिया। मौके पर ही पीठासीन अधिकारी से ऐसा करने पर बहस कर पुनः मतदान करवाने और आवेंदन देने की कोशिश की लेकिन पीठासीन अधिकारी ने एक नही सुनी और हमको भगा दिया।

एसडीएम को आवेंदन देंने पहुँची उपसरपंच प्रत्याशी

सोमवार को संगीता निनामा अपने समर्थन वाले कुल 11 पंचो के साथ रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम पेटलावद को आवेंदन देने पहुँची। लेकिन एसडीएम ओर तहसीलदार नही होने के कारण निराश होकर वापस लौटी।

संगीता निनामा ने बताया कि, पीठासीन अधिकारी में अनपढ़ पंचो को धोखे में डाल कर वोट दूसरे को डलवाने की कोशिश की ओर वो वोट मुझे दूसरे स्थान के कारण मिले वो मेरे खाते में नही जोड़ कर दूसरे के खाते में जोड़ कर उसे जितवा दिया। इस संबंध में मंगलवार को फिर सभी पंचो के साथ पहुँच कर अधिकारी को आवेंदन दिया है।

बराबर वोट वाली पंच को बिना अग्रिम प्रकिया के किया विजेता घोषित

चुनाव परिणामों को लेकर विवाद थमने का नाम नही ग्राम पंचायत गुणावद में ऐसा हो एक अजीब मामला सामने आया है। यहां ग्राम पंचायत के वार्ड क्रमांक 4 के लिए पंच के चुनाव में दो प्रत्याशी दुर्गा और कुकड़ी भाभर को 52-52 मत बराबर मिले पीठासीन अधिकारी द्वारा गिनती के बाद गणना पत्रक दिया गया। जिसमें दो प्रत्याशी को बराबर मत मिलना उल्लेखित किया गया। पंच प्रत्यासी कुकुड़ी भाभर रिटर्निंग अधिकारी पेटलावद को गणना पत्रक के साथ शिकायत दर्ज करते हुए आरोप लगाया कि, परिणाम घोषणा के दिन बराबर मत होने की दशा में होने वाली अग्रिम प्रक्रिया बिना किए ही दुर्गा को विजेता घोषित कर दिया गया। शिकायत के बाद भी निराकरण नही होने पर महिला प्रत्याशी ने जिला कलेक्टर की शिकायत दर्ज करवानी की बात की है। कुकड़ी भाभर ने मांग की है कि, न्यायहीत में दोनों प्रत्याशी के सामने गोटी डालकर वास्तविक विजेता घोषित किया जाए।

गुणावद पंचायत में पंच को पीठासीन द्वारा दिया गया पत्रक, जिसमे दोनों प्रत्याशी के बराबर मत है।

पंचायत की बॉडी में सब नए, क्या बन पाएंगे तारणहार...

वर्षों से चली आ रही समस्याओं से कैसे पाएंगे पार...

माही की गूंज, अमरगढ़।

करीब 8 वर्ष बाद ग्राम पंचायत के चुनाव जिले में प्रथम चरण में 25 जून को सम्पन्न हुए। ग्राम पंचायत अमरगढ़ पंचायत से सरपंच पद के लिए 6 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन दाखिल किया था, जिनमें से सर्वाधिक मत प्राप्त कर पिन्टूसिंह भूरिया सरपंच चुने गए। जिसके बाद उपसरपंच पद के लिए कई दिनों तक असमंजस की स्थिति बनी रही। जिसके बाद आखिरकार 25 जुलाई को वार्ड क्रमांक 08 की वार्ड मेंबर संगीता पति देवीलाल पाटीदार निर्विरोध उपसरपंच बनी। पिछले कई वर्षों से यह सिलसिला चलता आ रहा है कि सरपंच कोई आदिवासी वर्ग से चुना जाता है तो उपसरपंच ओबीसी वर्ग से। लेकिन इस बार संगीता पाटीदार ग्राम पंचायत अमरगढ़ में महिला उपसरपंच प्रथम बार चुनी गई। नए सरपंच-उपसरपंच अपने सचिव व रोजगार सहायक के साथ नए से लग रहे है। 24 जुलाई को सभी नवनिर्वाचित पंच व सरपंच पंचायत भवन पहुंचे। जंहा उपसरपंच का निर्विरोध चुनाव किया गया।

पिछले वर्षों में सरपंच व पंचायत ने अपने स्तर पर कई सराहनीय कार्य किए जिसे नकारा नहीं जा सकता। लेकिन वर्तमान में पंचायत के सामने अभी भी ऐसी कई चुनौतियाँ सर उठाए खड़ी है, जिनसे पार पाने की राह आसान नहीं है या यूं कहें कि असंभव सी ही प्रतीत हो रही है।

पिछली पंचायत में शुरू हुई नल-जल योजना वर्तमान में वर्षा होने के कारण ठीक-ठाक चल रही है, लेकिन गर्मी के मौसम में ग्राम में जल वितरण एक गंभीर समस्या बनकर उभरी थी। अब देखना यह है कि नई पंचायत इस गंभीर समस्या से कैसे पार पाएंगे।

वहीं बात करे रेलवे अंडर बायपास की मांग की तो गुलबाखोरी सहित रेलवे लाइन के पार बसे ग्राम रतनाली आदि में जाने का कोई व्यवस्थित मार्ग नहीं है। वहीं उक्त फलिया 2 ग्राम पंचायत रामपुरिया व अमरगढ़ में आता है, जिसमें से रामपुरिया में तो इस बार भी वही सरपंच चुना गया है फर्क सिर्फ इतना है कि, इस बार पूर्व सरपंच की पत्नी सरपंच चुनी गई है। रामपुरिया पंचायत व अमरगढ़ पंचायत ने अभी तक गुलबाखोरी फलियावसियों की रेलवे अंडर बायपास की मांग को पूर्ण नहीं किया है, न ही कोई और विकल्प तलाशा है।

वहीं अन्य चुनौतियों की बात की जाए तो खेत पहुंच मार्ग की दुर्दशा, फैल होता स्वच्छ भारत अभियान, आंगनवाड़ी कर्मचारियों को करीब 5 से 6 माह से वेतन नहीं मिलना आदि मुख्य है।

ग्राम पंचायत के नवनिर्वाचित सरपंच पिन्टूसिंह भूरिया से जब चर्चा की तो उन्होंने बताया कि ग्राम की पुरानी व आने वाली बड़ी से बड़ी समस्या से सख्ती के साथ निपटा जाएगा। मुझे जब ग्राम की जनता ने सरपंच पद पर बिठाया है तो मैं पूरी निष्ठा के साथ हमेशा ग्राम की जनता के साथ खड़ा हूँ। किसी को भी कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी।

उपसरपंच संगीता पति देवीलाल पाटीदार का कहना है कि, हमारे लिए कोई चुनौती नहीं है। गांव की जनता ने हमें चुना है। हम अच्छे से अच्छा काम करके दिखाएंगे। किसी भी बात को लेकर कोई परेशानी नहीं होगी। जनता की सेवा करना हमारी पहली प्राथमिकता रहेगी।

नगर परिषद ने दुकान नीलामी में अजा वर्ग को बिना आरक्षण दिए विज्ञप्ति की जारी

परिषद पर संविधान की अवहेलना का आरोप लगाते हुए दिया ज्ञापन

माही की गूंज, थांदला।

नगर परिषद थांदला द्वारा महिला बाल विकास विभाग के पास नाले पर बनी दुकानो मे से 15 दुकानो की लीज प्रक्रिया हेतु नीलामी के लिए ऑनलाइन जारी की गई विज्ञप्ति मे अजा वर्ग के लिए आरक्षण नही किए जाने को लेकर समाजजनो ने अनुविभागीय अधिकारी अनिल भाना को ज्ञापन देकर प्रक्रिया निरस्त करने की मांग की। ज्ञापन मे बताया गया कि, नगर परिषद द्वारा संविधान मे निहित आरक्षण के प्रावधानो की खुले रूप से अवहेलना करते हुए अजा वर्ग के लिए एक भी दुकान आरक्षित नही रखी गई है। जबकि नगरपालिका अधिनियम मे भी यह प्रावधान है कि, नगर परिषद द्वारा निर्मित किए गए किसी व्यावसायिक काम्प्लेक्स मे जनसंख्या के मान से उतने ही प्रतिशत दुकाने अजा वर्ग के लिए आरक्षित रखी जाए। जबकि नगर परिषद द्वारा जारी विज्ञप्ति मे अजा वर्ग के आरक्षण का कोई उल्लेख नही है। नगर परिषद ने पूर्व मे भी लॉकडाउन के दरमियान बाले-बाले दुकानो की नीलामी कर दी थी जिसके बारे मे अजा वर्ग के लोगो को कोई जानकारी नही है। परिषद द्वारा वर्तमान मे भी नीलामी विज्ञप्ति केवल ऑनलाइन दर्शायी गई है। किसी भी प्रमुख समाचार पत्र मे अथवा सार्वजनिक मुनादी भी अभी तक नही करवाई गई है। जिससे प्रतीत होता है कि, इन दुकानो को भी पूर्व से ही अन्य लोगो को आवंटित कर मात्र औपचारिता निभाई जा रही है।

परिषद द्वारा अपनाई गई आरक्षण प्रक्रिया दूषित होकर दोषपूर्ण है जिसे निरस्त किया जाकर निष्पक्ष प्रक्रिया अपनाई जाए। समाजजनो ने एसडीएम भाना से निवेदन किया कि, नीलामी की समस्त प्रक्रिया आपके मार्गदर्शन मे सम्पन्न करवाई जाए जिससे कि नगर के आम लोगो के साथ न्याय हो सके। इस अवसर मेघवाल समाज प्रदेशमंत्री जितेन्द्र धामन, अभा गुजराती, बलाई समाज प्रदेश सचिव राजु धानक, एडव्होकेट संजय पंजल, राहुल वाघेला, मोहन यादव, विनोद धमानिया आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत में दर्ज करवाई शिकायत

माही की गूंज, बामनिया।

ग्राम के चौकीदार फलिए में बढ़ते अवैध अतिक्रमण के कारण आवाजाही का मार्ग संकरा होता जा रहा है, जिससे मार्ग से निकलने वाले लोगो ओर वाहनों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। फलिए के जागरूक ग्रामीणों ने इस संबंध में एक लिखित शिकायत ग्राम पंचायत को की गई। जिसमें अतिक्रमणकर्ताओं की नाम जद शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायत की पुष्टि जनपद सदस्य सहित ग्राम पंचायत के तीन से चार पंचो ने भी अपने हस्ताक्षर कर ग्राम पंचायत से अतिक्रमण हटाने की मांग की।

ग्रामीणों ने बताया कि, यहां पंथवारी माता जी ओटला बना हुआ है और लोग यहां माता जी पूजन के लिए आते हैं। ओटले के आसपास लोगों ने अतिक्रमण कर कांटे बिछा दिए जो लोगो के लिए परेशानी का सबब है। सबसे बड़ी बात इन अतिक्रमणकर्ताओं को रोकने पर ये गाली-गलौच और विवाद करने पर उतारू हो जाते हैं। परेशान ग्रामीणजनों ने अवैध रूप से किए जा रहे अतिक्रमण को हटाकर मार्ग को सुरक्षित कर सीसी रोड बनाने के मांग की है।

इस संबंध में ग्राम पंचायत सरपंच रामकन्या मखोड ने बताया कि, सचिव को आवेदन प्राप्त हुआ है मौका स्थल देख कर अतिक्रमण हटाया जाएगा। उक्त मार्ग पर सीसी रोड बनाना हमारे एजेंडे पहले से शामिल हैं। राशि के आवंटन के बाद यहां रोड बनाया जाएगा।

बृजभूषण परिहार बने निर्विरोध उपसरपंच

माही की गूंज, बामनिया।

25 जुलाई को सम्पन्न ग्राम पंचायतों में उपसरपंच के चुनाव में ग्राम पंचायत बामनिया में वार्ड क्रमांक 16 के पंच बृजभूषण (गुड्डू) परिहार निर्विरोध उपसरपंच नियुक्त हुए। उपसरपंच पद को लेकर विगत 15 दिनों से ग्राम में भारी उठापटक का दौर चल रहा था। चुनाव होने की सम्भवना थी लेकिन 25 जुलाई को ग्राम पंचायत में शुरू हुई उपसरपंच पद की प्रक्रिया में बृजभूषण परिहार द्वारा नामांकन दाखिल करवाने के बाद किसी पंच ने नामांकन जमा नही किया। हालांकि पूर्व में उपसरपंच रहे सत्तू ठाकुर ने फार्म भरा था लेकिन फार्म जमा करने के लिए जरूरी एक प्रस्ताव और एक समर्थक तक नही मिला। जिससे वो उपसरपंच के लिए दावेदारी नही कर पाए और गुड्डू परिहार को समर्थन कर माला पहना कर निर्विरोध उपसरपंच के रुप मे स्वागत कर दिया। गुड्डू परिहार के उपसरपंच निर्वाचित होने के बाद नगर में जुलूस के माध्यम से जनता का आशीर्वाद प्राप्त किया। नवनियुक्त उपसरपंच को सरपंच रामकन्या मखोड, चुनाव प्रभारी अजय जैन, मंगलेश भंडारी, मंथन परमार, जनपद सदस्य सोहन डामर, अभिनव राठौर, विपिन शर्मा, सुमित अग्रवाल, राकेश गेहलोत, जितेश परमार, बब्बू गांधी, अंकित बसोड़, सत्तू भटेवरा, राजेंद्र भटेवरा सहित भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से स्वागत कर शुभकामनाएं दी।

पुलिस चालान बनाने में व्यस्त, ट्रेफिक व्यवस्था भगवान भरोसे

माही की गूंज, थांदला।

कानून व्यवस्था में ट्रेफिक सुधारने का काम यातायात पुलिस के जिम्मे रहता है। परंतु जब पुलिस खुद ही चालान बनाने में व्यस्त हो तो नगर का ट्रेफिक भगवान भरोसे ही चलेगी। थांदला नगर की यह समस्या शायद कभी नहीं सुधर सकती है। सुबह से शाम तक रेंगते वाहनों के दृश्य अब आम हो गए है। लोग भी गाड़ी चलाते समस्या का सामना करते वक्त थोड़ा बहुत पुलिस, प्रशासन व नेताओं को कोस लेते हैं। गंतव्य पर पहुंचते ही वापस अपने कामों में व्यस्त हो जाते है। ट्रेफिक से केवल जनता ही परेशान नहीं है बल्कि पुलिस प्रशासन की गाड़िया, एंबुलेंस व फायर ब्रिगेड़ की गाड़ियां भी हर बार ट्रेफिक में फंस जाती है। परंतु फिर भी जिम्मेदारों को अपनी नाकामी का जरा भी अहसास नहीं होता है क्योंकि लोकतंत्र में जब जनता के हाथों की नब्ज नहीं चलती है, तो प्रशासन मुर्दा बन जाता है।

नगर की मूलभूत सुविधाओं में शामिल ट्रैफिक, पार्किंग व्यवस्थाओं पर ही ग्रहण लग गया है। 111 गांवों के इस विकासखंड में प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोग आते हैं।

पुलिस प्रशासन का कहना है कि, थांदला की ट्रैफिक व्यवस्था के लिए एक सूबेदार ही है। ऊपर से थांदला नगर की तस्वीर यह हो गई है कि, नगर का मुख्य मार्ग हो या छोटी गलियां वाहन चालक रेंगते हुए अपना सफर तय कर रहे हैं। वही दिनों दिन बढ़ते अतिक्रमण, हॉकर्स जोन की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होना भी परेशानी का कारण है। पुलिस प्रशासन द्वारा ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के किए जा रहे इंतजाम सही नहीं हैं। नगर का मुख्य मार्ग एमजी रोड, अस्पताल चौराहा, पीपली चौराहा, आजाद चौक, जवाहर मार्ग, कुम्हारवाड़ा सहित विभिन्न प्रमुख गलियां इन दिनों बिगड़ते ट्रैफिक व्यवस्था की मार झेल रही है।

शहर के लिए विडंबना यह है कि, इन गांवों से आने वाले ग्रामीणों के लिए दोपहिया और चारपहिया वाहनों की पार्किंग व्यवस्था थांदला में कहीं भी नहीं है। ऐसी स्थिति में ग्रामीण वाहन चालक मुख्य चौराहों, दुकानों, घरों के सामने घंटों अपने वाहन खड़े कर देते हैं। जिससे एक ओर मार्ग भी अवरुद्ध होता है। वही विवाद की स्थिति भी बनती है। प्रशासन की ओर से वाहन पार्किंग के लिए कोई स्थान निर्धारित नहीं है। वहीं नगर में प्रतिदिन 5 हजार से अधिक दोपहिया वाहन और 500 से अधिक चार पहिया वाहन आते हैं। यही नही नगर के मुख्य जवाहर मार्ग में कई थोक व्यापारी बीच मार्ग पर ही वाहनों को रोककर माल सप्लाय करने लगते है। घंटों गाड़ीयों को खड़ी करवाकर अलमारी सोफा सेट फ्रिज व अन्य घरेलु सामान अपनी दुकान के आगे खड़ी करवाकर माल भरवाते से जिससे घंटों जाम लगा रहता हे व्यापारी भी यही कहते हे पुलिस व कमचारियों को भी सामान हम ही देते हैं हमें कोन रोकेगा । ऐसे में मुख्य मार्गों पर लंबा जाम लग जाता है।

एक सूबेदार के भरोसे ट्रेफिक व्यवस्था

थाना प्रभारी कौशल्या चौहान ने बताया कि, वर्तमान में ट्रैफिक व्यवस्था संभालने के लिए एक ही सूबेदार है। वर्तमान ट्रैफिक व्यवस्था के हिसाब से कम से कम पांच ट्रैफिक जवानों की तैनाती होना चाहिए। जिसके लिए उच्च विभाग को अवगत करवा दिया गया है। साथ ही समय-समय पर स्थानीय प्रशासन ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए नगर में भ्रमण करता है।

संपादकीय

मन की बात के साथ रणनीतिक शुरूआत

कभी-कभी जब राजनेता आम व्यक्ति की संवेदनाओं के आसपास बयानबाजी करते हैं तो जनसाधारण का चौंकना लाजिमी है। कुछ ऐसे ही भाजपा के दिग्गज मंत्रियों के हालिया बयानों से असमंजस की स्थिति पैदा हुई। देश की हर समस्या के लिए कांग्रेस को

जिम्मेदार ठहराने वाली पार्टी के नेता यदि पं. नेहरू को सराहें व कांग्रेस की जरूरत को स्वीकारने लगें तो अचरज होना स्वाभाविक भी है। जाहिर बात है जो पार्टी कांग्रेस मुक्त भारत की बात करे, उसी के दिग्गज नेता कांग्रेसयुक्त भारत की बात करने लगें तो हैरत होना स्वाभाविक है।

ऐसे में सवाल उठता है कि, ये बयान पार्टी की किसी रणनीति का हिस्सा हैं या फिर भाजपा के दिग्गज नेता मन की बात करने लगे हैं या फिर पार्टी के भीतर कमतर मूल्यांकन के चलते ये प्रतिरोध के स्वर उभर रहे हैं। नि:संदेह सत्तारूढ़ दल में मोदी-शाह के वर्चस्व के बीच में भाजपा के दिग्गज रहे तमाम नेता अपनी क्षमताओं के अनुसार भूमिका नहीं पा सके हैं।

बहरहाल, ये नेता इतने अनुभवी व दिग्गज हैं कि जुबान फिसलने की बात तो गले नहीं उतरती। तो क्या यह पार्टी के प्लेटफार्म से ही विपक्ष की बात कहने की रणनीति का ही हिस्सा है...? बहरहाल, ये बयान चौंकाने वाले भी हैं और देश में राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बने हुए हैं।

दरअसल, पिछले दिनों कारगिल दिवस पर जम्मू पहुंचे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि, 1962 के युद्ध के लिये पं. नेहरू दोषी नहीं थे। उन्होंने कहा कि, मैं किसी पूर्व प्रधानमंत्री की आलोचना नहीं करना चाहता, उनकी नीयत में खोट नहीं था। ऐसे में लोग असमंजस में हैं कि जो पं. नेहरू लगातार भाजपा के निशाने पर रहा करते थे, उनको लेकर यह सदाशयता क्यों? पिछले दिनों केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक कार्यक्रम में कहा था कि लोकतंत्र के लिये कांग्रेस का मजबूत होना जरूरी है, उसकी जगह यदि क्षेत्रीय दल लेते हैं तो यह लोकतंत्र के हित में नहीं है।

बहरहाल, नितिन गडकरी की गिनती तो भाजपा के उदारवादी नेता के रूप में होती है। जिसके चलते विपक्षी दलों के नेता भी उनकी नीतियों व कार्यों को सराहते रहे हैं। लेकिन मोदी सरकार के एक दूसरे नेता और केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी ने कांग्रेस को लेकर ऐसा ही बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि, भाजपा नहीं चाहती कि कांग्रेस पूरी तरह से गायब हो जाए क्योंकि देश को विपक्ष की जरूरत है। यदि हमारे पास विपक्ष है तो यह उसे तय करना है कि इसका नेतृत्व राहुल गांधी करें या ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल। वहीं दूसरी ओर नितिन गडकरी का वह बयान भी खासी चर्चा में रहा जिसमें उन्होंने कहा था कि मन करता है कि राजनीति छोड़ दूं क्योंकि यह सिर्फ सत्ता तक केंद्रित हो गई है। समाज में और भी बहुत से काम हैं जो बिना राजनीति के किये जा सकते हैं। उन्होंने स्वीकारा कि महात्मा गांधी के समय की राजनीति व मौजूदा राजनीति में बहुत बदलाव आ चुका है। तब राजनीति देश, समाज व विकास के लिये की जाती थी। वहीं दूसरी ओर अब सिर्फ कुर्सी हासिल करने के लिये होती है। हमें अब सोचना होगा कि राजनीति का सही मायनो में अर्थ क्या है। यह देश व समाज के कल्याण के लिये है या महज सत्ता में बने रहने के लिए। नि:संदेह आज देश की राजनीति के स्तर को देखकर फिक्र होती है कि राजनीति कब सामाजिक व आर्थिक न्याय का साधन बनेगी। कह सकते हैं कि गडकरी के मन की टीस जुबान पर आई है। निस्संदेह वे सादगी व साफगोई की राजनीति में विश्वास करते हैं। वे अपने बेबाक बयानों के कारण अकसर चर्चाओं में भी रहते हैं। हाल में उनका एक बयान खासा चर्चित हुआ था जिसमें उन्होंने कहा था कि मुख्यमंत्री बनने वाला इसलिये परेशान है कि कब हटा दिया जाऊंगा। मंत्री इसलिये परेशान है कि अच्छा मंत्रालय नहीं मिला। विधायक भी परेशान है कि मंत्री नहीं बना। नि:संदेह राजनेताओं के रंग निराले हैं।

हिमाचल में मानूसन का कहर, एक खौफनाक त्रासदी?

हिमाचल में किन्नौर से लेकर भरमौर तक मानसून का कहर जारी है। प्रकृति तांडव कर रही है। 2022में खौफनाक रौद्र रुप दिखा रही है, जिंदगियां लील रही है, सैंकड़ों लोग मौत के आगोश में समा चुके है। आशियाने जमींदोज हो रहे हैं, भूस्खलन हो रहा है, कहीं पहाड़ दरक रहे है, कहीं भूस्खलन हो रहा है। इस विनाषकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा है। राज्य की संडकें धंस रही हैं, गांड़ियां फिसल रही है। भांबला में खुडडी नाला में एक युवक तेज बहाव में बह गया मगर लोगों ने बह रहे युवक को 200 मीटर दूर बचा लिया। युवक की स्कूटी नाले में बह गई। आनी में भी भूस्खलन से श्रध्द्वालुओं की कार पर पत्थर गिरने से हादसा हो गया, भूस्खलन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए। खेत व जमीनें जलमगन हो रही हैं। मक्की व टमाटर व धान की फसल तबाह हो गई है। मवेशी व बकरियों की दबने से मौतें हो रही है। गैशाला गिरने से 2 मवेशियों व 20 बकरियों की दर्दनाक मौत हो गई। मणिकर्न में पिछले दिनों बादल फटने से काफी तबाही हुई थी कुछ लोग लापता हो गए थे। मानसून का कहर लोगों को मौत बांट रहा है।

जानकारी के अनुसार हिमाचल प्रदेश को अब तक 17 दिनों में 272 करोड़ रुपए का नुक्सान हो चुका है। मानसून के कारण हुई दुर्घटनाओं में अब तक 82 लोग अपनी जान गंवा चुके है। 107 लोग घायल हुए हैं। मौतों से हर हिमाचली गमगीन है। भूस्खलन व बरसात के कहर से प्रदेष में अब तक काफी लोग मारे जा चुके हैं। बारिश के खौफ से हर हिमाचली खौफजदा है। प्रदेश में बारिश के कारण लोकनिर्माण विभाग व जल शक्ति विभाग को करोड़ों का नुकसान हुआ है। मानसून अनमोल जिदंगियां लील रही है।नदियां व नाले में भंयकर बाढ आने से भरी नुक्सान हो रहा है। नदी-नालों का जलस्तर बढ गया है। सैलानियों को नदियों से दूर रहने की हिदायतें दी गई है। सैलानी लापरवाही कर रहे है। प्रतिदिन जानमाल का नुक्सान होता जा रहा है।

गत वर्ष 25 जुलाई को किन्नौर जिला में भूस्खलन की चपेट में आने के कारण 9 पर्यटकों की दर्दनाक मौत हो गई थी जबकि तीन गभीर रुप से घायल हो गए थे। पांच दिन पहले भरमौर में भी भूस्खलन के कारण कार दब गई भी और एक ही परिवार के चार लोग मारे गए थे। बारिश की तबाही से अब तक दो दर्जन लोगों की जान जा चुकी है और यह कहर जारी है। गत वर्ष भी ऐसे हादसों से हिमाचल में तबाही हुई थी। गत वर्ष शिमला में भूस्खलन होने से 4 लोगों की दबकर मौत हो गई थी और कुमारसैन में दो मजदूरों की मौत हो गइ थीं। नालागढ़ में भी मकान पर डंगा गिरने से 5 लोगों की दर्दनाक मौत हो गइ थीं। गत वर्ष लाहौल स्पीति में करीब 2 हजार पर्यटक फंसे थे।

प्रदेश में हर जिला में लोगों के कच्चे व पक्के मकान जमींदोज हो रहे है। कुल्लु, मण्डी व किन्नौर में भी काफी नुक्सान हुआ है। प्रकृति ने एक बार फिर अपना तांड़व मचाया है। कही फिर से पहाड़ का मलवा न आ जाए लोग खौफ के साए में राते काट रहे हैं। इससे पहले हिमाचल में प्रकृति के कहर से हजारों लोग मारे जा चुके हैं। बरसात में प्रदेष में कई भीशण त्रासदियां हो चूकी है। कहीं मकानों के ढहने से बच्चे मारे गए तो कहीं सैंकडों पषुओं की दबकर मौत हो गई थी। दर्जनों लोग पानी में बह गए और करोडों की संपति तबाह हो गई। पहाड के मलबे की चपेट में आने से काफी जानमाल का नुक्सान हो रहा है। प्रकृति की इस विभिशिका में हजारों लोग अपंग हो गए है बच्चे अनाथ हो जाते है लाशे मलबे में दफन हो गई है। किन्नौर में पहाड़ दरकने से लोग खौफजदा हैं।

कहते है कि, प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है। हादसों व आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते है और न ही सरकारें सबक सीखती हैं। कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता है और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर उपाय नहीं किए जाते। सरकारो को इस आपदाओं पर मंथन करना चाहिए तथा शिविर लगाकर महानगरों, शहरों व गांवो के लोगों को जागरुक किया जाए। तभी तबाही से बचा सकता है। देश में प्राकृतिक आपदाओं का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रकृति का कहर अनमोल जिन्दगीयां लील रहा है।हर राज्य में बरसात से त्रासदी हो रही है। भीषण बाढ़ के चलते आधे से ज्यादा इस बारिश में अब तक दर्जनों लोगों की असमय मौत हो चूकी है। हिमाचल में भी बरसात का कहर रौद्र रुप दिखा रहा है। पिछले वर्ष बिलासपुर में भी एक पहाड़ी के दरकने से लोग बाल-बाल बच गए थे। अगर यह मलबा लोगों पर गिरा होता तो न जाने कितने घरों के चिराग बूझ जाते।

इससे पहले 2017 की 12 अगस्त की रात को कोटरोपी में प्रकृति ने अपना रौद्र रुप दिखाकर ऐसी खौफनाक तबाही मचाई थी की रौगटे खडे हो गए थे कोटरोपी में हुए इस हादसे ने पूरे हिमाचली समुदाय को झझकोर दिया था। पल भर में लाशो के ढेर लग गए, लाशो का ढकने के लिए कफन कम पड़ गए थे। मौत का यह मंजर सदियों तक याद रहेगा। 12 अगस्त 2017 काली रात को कोटरोपी में प्रकृति का कहर सैकडों अनमोल जिंदगियां लील गया था। पठानकोट-मंडी नेशनल हाईवे 154 के कोटरोपी में चलती बसों पर पहाड़ गिरने से 48 लोगों की दर्दनाक मौत से हर हिमाचली गमगीन था। 12 अगस्त की काली रात को प्रकृति ने ऐसा कहर मचाया की पल भर में यात्रियों को मौत की नींद सुला दिया था। यात्रियों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि कोटरोपी में मौत उनका इंतजार कर रही है। पहाड़ गिरने से चंबा से मनाली तथा मनाली से कटड़ा जा रही दो बसें दब गई थी। सैंकडों यात्री जमीदोज हो गए। बसों में लाशे क्षत-विक्षत हो चुकी थी तथा टुकडों में तब्दील हो चुकी थी। चारों तरफ चीखो पुकार मची हुई थी लोग अपनों को बदहवाश होकर ढूढ रहे थे मगर उनके सगे-सम्बधी चिर निंद्रा में सो चुके थे। हर तरफ लाशे दफन हो चुकी थी। प्रकृति ने ऐसी तबाही मचाई कि जीते जागते इंसान चिथडों में बदल गए तबाही का ऐसा मंजर बहुत ही भयानक था जिसे लोग ताउम्र नहीं भूल सकते। आखों के सामने देखते ही देखते लोग मौत के आगोश में समा गए बसें जमीदोज हो गई थी। 46 शव निकाले गए थे। पहाड़ के मलबे से लोगों के आषियाने धरासाही हो गए थे गनीमत रही की किसी की जान नहीं गइ थी। अभागे यात्री अपने गंतव्य पर पहुचने से पहले ही हादसे का शिकार हो गए थे।उनका सफर कोटरोपी में खत्म हो गया था। 12 अगस्त की काली रात प्रदेश वासियों को कभी नहीं भूलेगी। इस हादसे में कुल्लु की महिला ने अपने तीन बच्चे खो दिये थे वे अपने दादा के पास चंबा गए थे।

देश में कभी भूकंप, तो कभी बाढ़ जैसे आपदाएं अपना जलवा दिखाती है तो कभी बाढ़ का रौद्र रुप जिदंगियां लीलता है। लोग प्रकृति से छेड़छाड़ करने से बाज नहीं आते जब प्रकृति अपना बदला लेती है तब लोगों को होष आता समय-समय पर भीशण त्रासदियां होती रहती है मगर हम आपदाओं से कोई सबक नहीं सीखते। हर त्रासदी के बाद बचाव पर चर्चा होती है मगर कुछ दिनो बाद जब जीवन पटरी पर चलने लग जाता है तो इन बातो को भूला दिया जाता है। अगर बीती त्रासदियों से सबक सीखा जाए तो आने वाले भविष्य को सुरक्षित कर लिया जा सकता है। सरकार को चाहिए की प्रत्येक गांव से लेकर शहरो तक आपदा प्रबंधन कमेटियां गठित करनी चाहिए जिसमें डाक्टर, नर्स व अन्य प्रशिक्षित स्टाफ रखना चाहिए ताकि व त्वरित कारवाई करके लोगों का मौत के मुंह से बचा सके।अक्सर देखा गया है कि, जब तक आपदा प्रबंधन की टीमें घटना स्थनों पर पहुचती है तब तक बची हुई सासें उखड़ जाती है लाशो के ढेर लग जाते है। अगर समय पर आपदा ग्रस्त लोगों को प्राथमिक सहायता मिल जाए तो हजारों जिदंगियां बचाई जा सकती हैं। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सरकार को कालेजों व स्कूलों में भी माकड्रिल जैसे आयोजन करने चाहिए ताकि अचानक होने वाली आपदाओं से अपना व अन्य का बचाव किया जा सके। स्कूलो व कालेजों मे चल रहे राश्ट्रीय सेवा योजना व स्काउट एंड गाइड के स्वंयसेवियों को आपदा से निपटने के लिए पारगंत किया जाए। अगर यही स्वयसेवी अपने घर व गांवों में लोगों को आपदा से बचने के तरीके बताए तो काफी हद तक नुक्सान को कम किया जा सकता है। सरकार को चाहिए कि, आपदा से बचाव के लिए प्रत्येक विभाग के कर्मचारियों को पूर्वाभ्यास करवाया जाए ताकि समय पर काम आ सके। पुलिस व अग्षिमन के कर्मचारियों को भी समय-समय पर ऐसे आयोजन करते रहना चाहिए।अगर सभी लोग आपदा से बचाव के तरीके समझ जाएगें तो तबाही कम हो सकती है। अगर अब भी मानव ने प्रकृति पर अत्याचार बंद नहीं किया तो प्रकृति अपना बदला लेती रहेगी और मानव को सबक सीखाती रहेगी। प्रकृति के प्रकोप से बचना है तो हमें अपनी जीवन शेली बदलनी ही होगी, छेड़छाड़ बंद करनी होगी।

नरेन्द्र भारती

ममता बनर्जी को मिला बड़ा झटका

एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू देश की 15वीं राष्ट्रपति चुनी गईं हैं। उन्होंने विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को हराया। द्रौपदी मुर्मू को 4 हजार 809 वोटों में 2 हजार 824 वोट मिले, जबकि यशवंत सिन्हा को एक हजार 877 वोट मिले। खास बात यह है कि द्रौपदी मुर्मू को एनडीए के अलावा अन्य दलों ने भी समर्थन दिया। इतना ही नहीं कुछ सांसद और विधायक तो ऐसे हैं, जिन्होंने पार्टी लाइन से हटकर द्रौपदी मुर्मू को वोट किया। सबसे बड़ा झटका पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए माना जा रहा है। दरअसल, 2024 लोकसभा चुनाव के मद्देनजर ममता बनर्जी नरेंद्र मोदी के खिलाफ विपक्ष को एकजुट करने में लगी हैं। ममता बनर्जी ने ही इस राष्ट्रपति चुनाव में भी विपक्ष को एकजुट करने के लिए तमाम दलों से बातचीत की थी। हालांकि, कई उम्मीदवारों के नाम पर चर्चा के बाद यशवंत सिन्हा का नाम तय हुआ था। यशवंत सिन्हा कुछ समय पहले ही टीएमसी में शामिल हुए थे। उन्होंने टीएमसी से इस्तीफा देकर राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन भरा था। बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस में भी क्रॉस वोटिंग हुई। टीएमसी के 2 सांसद और एक विधायक ने द्रौपदी मुर्मू को वोट किया। इतना ही नहीं टीएमसी के 2 सांसदों और चार विधायकों के वोट भी रद्द हुए हैं। चुनाव में सिर्फ ममता ही नहीं कई क्षत्रपों के किलों में सेंधमारी हुई है। द्रौपदी मुर्मू को 125 विधायक और 17 सांसदों ने क्रॉस वोटिंग कर समर्थन किया।

बताया जा रहा है कि असम, झारखंड और मध्यप्रदेश में तमाम विपक्षी विधायकों ने एनडीए उम्मीदवार को वोट किया। असम में 22 विधायक, मध्यप्रदेश में 20 विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की। बिहार और छत्तीसगढ़ में 6-6 विधायकों ने जबकि गोवा में चार और गुजरात में 10 विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की। आदिवासी चेहरा द्रौपदी मुर्मू को झारखंड में विपक्षी विधायकों ने समर्थन दिया, यहां की सत्ताधारी झारखंड मुक्ति मोर्चा पहले ही मुर्मू के समर्थन का ऐलान कर चुकी थी। द्रौपदी मुर्मू ने तीन दौर की मतगणना के बाद ही विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा पर निर्णायक बढ़त बना ली। आखिरी राउंड की मतगणना के बाद उन्हें विजेता घोषित कर दिया गया। वहीं, सिन्हा पहले राउंड में ही रेस से बाहर हो गए थे। यूं तो पहले से ही आंकड़े मुर्मू के पक्ष में थे, लेकिन यशवंत सिन्हा इस तरह से हारेंगे यह किसी ने नहीं सोचा था।

यही कारण है कि, द्रौपदी मुर्मू की जीत से ज्यादा अभी यशवंत सिन्हा की हार के चर्चा हो रहे हैं। तीन दौर की गिनती से ही साफ हो गया कि 17 सांसद और 110 विपक्ष के विधायकों ने यशवंत सिन्हा की बजाय द्रौपदी मुर्मू को वोट किया है। सिन्हा को समर्थन देने के एलान के बाद भी विपक्ष के सांसद और विधायकों द्वारा द्रौपदी मुर्मू को वोट करना इस बात की तस्दीक करता है कि विपक्ष पूरी तरह से सिन्हा को लेकर एकजुट नहीं हो पाया। वहीं विपक्षी दलों के मुखिया सिन्हा के नाम पर सबको संतुष्ट नहीं कर पाए जबकि यशवंत सिन्हा के नाम का एलान करते वक्त कांग्रेस, टीएमसी, एनसीपी समेत कई विपक्षी दलों के बड़े नेता मौजूद रहे। चुनाव से साबित हो गया कि विपक्ष में एकजुटता नहीं है। इसका कारण यह है कि अब कोई भी दल कांग्रेस का नेतृत्व नहीं मानना चाहता है। विपक्ष में ज्यादातर दल क्षेत्रीय हैं और अब सभी खुद ही विपक्ष का नेतृत्व करना चाहते हैं। फिर वह टीएमसी की ममता बनर्जी हों या टीआरएस के के। चंद्रशेखर राव। बिहार में तेजस्वी यादव हों या यूपी में अखिलेश यादव। हर कोई अब राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती देना चाहता है।

सिद्धार्थ शंकर

बिना विकल्प दिए प्रतिबंध का प्रयास अधूरा

इस एक जुलाई से देश में एक बार इस्तेमाल होने वाली पॉलिथीन के साथ कुल 19 ऐसी वस्तुओं पर पाबंदी लगाई गई जिनका कचरा इस धरती के अस्तित्व के लिए खतरा बन रहा है। इस बाबत चालान और नगद जुर्माना हो रहा है लेकिन न इनका इस्तेमाल कम हुआ और न ही उत्पादन। बस, बाज़ार में इसे चोरी-छुपे लाने के नाम पर दाम जरूर बढ़ गए। इससे पहले सितंबर-2019 में प्रधानमंत्री ने अपने 'मन की बात में' पॉलिथीन व प्लास्टिक से देश को मुक्त करने का आह्वान किया था। मध्य प्रदेश सरकार इससे पहले ही पन्नी मुक्त प्रदेश की घोषणा कर चुकी थी। देश के कई नगरीय क्षेत्रों में इस तरह के अभियान चलते रहे, लोग भी मानते हैं कि पॉलिथीन थैली नुकसानदेह है लेकिन अगले ही पल कोई मजबूरी जता कर उसे हाथ में लेकर चल देते हैं। इन दिनों देश का हर शहर बरसात का पानी मोहल्ला-सड़क पर भरने से परेशान है। कहा जाता है कि ड्रेनेज खराब है। इसका बड़ा कारण पूरे मल-जल प्रणाली में पॉलिथीन का अंबार होना है।

कच्चे तेल के परिशोधन से मिलने वाले डीजल, पेट्रोल आदि के साथ ही पॉलिथीन बनाने का मसाला भी पेट्रो उत्पाद ही है। यह इंसान और जानवर दोनों के लिए जानलेवा है। घटिया पॉलिथीन का प्रयोग सांस और त्वचा संबंधी रोगों तथा कैंसर का खतरा बढ़ाता है। पॉलिथीन की थैलियां नष्ट नहीं होती हैं और धरती की उपजाऊ क्षमता को नष्ट कर इसे जहरीला बना रही हैं। साथ ही मिट्टी में इनके दबे रहने के कारण मिट्टी की पानी सोखने की क्षमता भी कम होती जा रही है। पॉलिथीन खाने से गायों व अन्य जानवरों के मरने की घटनाएं तो अब आम हो गई हैं। फिर भी बाजार से सब्जी लाना हो या पैक दूध या फिर किरयाना या कपड़े, पॉलिथीन के प्रति लोभ न तो दुकानदार छोड़ पा रहे हैं व न ही खरीदार। शहरों की सुंदरता पर इससे ग्रहण लग रहा है।

यह भी सच है कि, पॉलिथीन बीते दो दशक के दौरान बीस लाख से ज्यादा लोगों के जीविकोपार्जन का जरिया बन चुका है जो कि इसके उत्पादन, व्यवसाय, पुरानी पन्नी एकत्र करने व उसे कबाड़ी को बेचने जैसे काम में लगे हैं। वहीं पॉलिथीन के विकल्प के रूप में जो सिंथेटिक थैले बाजार में लाये गए हैं, वे एक तो महंगे हैं, दूसरे कमजोर और तीसरे वे भी प्राकृतिक या घुलनशील सामग्री से नहीं बने हैं और उनके भी कई विषम प्रभाव हैं।

यदि वास्तव में बाजार से पॉलिथीन का विकल्प तलाशना है तो पुराने कपड़े के थैले बनवाना एकमात्र विकल्प है। इससे कई लोगों को विकल्प मिलता है- पॉलिथीन निर्माण की छोटी-छोटी इकाई लगाए लोगों को कपड़े के थैले बनाने का, उसके व्यापार में लगे लोगों को उसे दुकानदार तक पहुंचाने का और आम लोगों को सामान लाने-ले जाने का भी। यह सच है कि जिस तरह पॉलिथीन की मांग है उतनी कपड़े के थैले की नहीं होगी, क्योंकि थैला कई-कई बार इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन कपड़े के थैले की कीमत भी उसी तरह पॉलिथीन के मानिंद तेज नहीं होगी। सबसे बड़ी दिक्कत है दूध, जूस, बनी हुई करी वाली सब्जी आदि के व्यापार की। इसके लिए एल्यूमीनियम या अन्य मिश्रित धातु के खाद्य-पदार्थ के लिए माकूल कंटेनर बनाए जा सकते हैं। सबसे बड़ी बात घर से बर्तन ले जाने की आदत फिर से लौट आए तो खाने का स्वाद, उसकी गुणवत्ता, दोनों ही बनी रहेंगी। कहने की जरूरत नहीं है कि पॉलिथीन में पैक दूध या गर्म करी उसके जहर को भी आपके पेट तक पहुंचाती है। प्लास्टिक से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए बायोप्लास्टिक को बढ़ावा देना चाहिए। बायोप्लास्टिक चीनी, चुकंदर, भुट्टा जैसे जैविक रूप से अपघटित होने वाले पदार्थों के इस्तेमाल से बनाई जाती है। हो सकता है कि शुरुआत में कुछ साल पन्नी की जगह कपड़े के थैले व अन्य विकल्प के लिए कुछ सब्सिडी दी जाए तो लोग अपनी आदत बदलने को तैयार हो जाएंगे।

सनद रहे कि, 40 माइक्रोन से कम पतली पन्नी सबसे ज्यादा खतरनाक होती है। सरकारी अमलों को ऐसी पॉलिथीन का उत्पादन करने वाले कारखानों को ही बंद करवाना पड़ेगा। वहीं प्लास्टिक कचरा बीन कर पेट पालने वालों के लिए विकल्प के तौर पर बंगलुरू के प्रयोग पर विचार कर सकते हैं, जहां लावारिस फेंकी गई पन्नियों को अन्य कचरे के साथ ट्रीटमेंट करके खाद बनाई जा रही है। हिमाचल प्रदेश में ऐसी पन्नियों को डामर के साथ गला कर सड़क बनाने का काम चल रहा है।

केरल के कन्नूर में प्रशासन से ज्यादा समाज के अन्य वर्ग को साथ लिया गया। बाजार, रेस्तरां, स्कूल, एनजीओ, राजनीतिक दल आदि एकजुट हुए। पूरे जिले को छोटे-छोटे कलस्टर में बांटा गया, फिर समाज के हर वर्ग, खासकर बच्चों ने इंच-इंच भूमि से प्लास्टिक का एक-एक कतरा बीना, उसे ठीक से पैक किया गया और नगर निकायों ने उसे ठिकाने लगाने की जिम्मेदारी निभाई। इसके साथ ही जिले में हर तरह की पॉलिथीन थैली, डिस्पोजेबल बर्तन व अन्य प्लास्टिक पैकिंग पर पूर्ण पाबंदी लगा दी गई। कन्नूर के नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी के छात्रों ने इवीनाबू बुनकर सहकारी समिति और कल्लेतेरे औद्योगिक बुनकर सहकारी समिति के साथ मिल कर बहुत कम दाम पर बेहद आकर्षक व टिकाऊ थैले बाजार में पहुंचा दिए। खाने-पीने वाले होटलों ने खाना पैक करवा कर ले जाने वालों को घर से टिफिन लाने पर छूट देना शुरू कर दिया और घर पर सप्लाई भी अब स्टील के बर्तनों में की जा रही है जो कि ग्राहक के घर जा कर खाली कर लिए जाते हैं। वहां यह पन्नी मुक्त जिले का चौथा साल है। सिक्किम में पहले लाचेन गांव ने सीलबंद पानी की बोतलों से लेकर डिस्पोजेबल बर्तन पर रोक लगाई, फिर पूरे राज्य में इस तरह की पाबन्दी जनवरी-22 से लागू है। वहां पानी की प्लास्टिक की बोतल के विकल्प में बांस और मिट्टी की बोतलें बहुत लोकप्रिय हुई हैं। जर्मनी में प्लास्टिक के कचरे से बिजली का निर्माण भी किया जा रहा है। विकल्प तो और भी बहुत कुछ हैं, बस जरूरत है तो एक नियोजित दूरगामी योजना और उसके क्रियान्वयन के लिए जबरदस्त इच्छाशक्ति की।

पंकज चतुर्वेदी
स्वतंत्र टिपण्णीकार

पारिवारिक कारणों से महिला ने नदी में लगाई छलांग, रेस्क्यू कर बचाया

माही की गूंज, शाजापुर। शाजापुर के महूपुरा स्थित चीलर नदी में बुधवार को सुबह डूब रही एक महिला को रेस्क्यू कर आधे घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला। बताया जा रहा है कि, पारिवारिक कारणों के चलते महिला नदी में कूदी थी। स्थानीय लोगों की सजगता से महिला को बचाया जा सका। महिला के नदी में कूदने का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है जिसमें महिला अकेली जाती दिख रही है और नदी के पास आकर उसमें कूद जाती है।

नदी में एक महिला की डूबने की घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही लालघाटी थाना प्रभारी केके चौबे मौके पर पहुंचे। कोतवाली थाना आरक्षक शैलेन्द्र सिंह गुर्जर और शैलेन्द्र शर्मा भी घटनास्थल पर पंहुचे। तीनों ने मिलकर डूब रही महिला को स्थानीय जितेंद्र नामक युवक के साथ नदी में कूदकर कड़ी मेहनत से सुरक्षित निकाला।

आधे घंटे तक कड़ी मशक्कत कर रेस्क्यू अभियान चलाकर रस्सी के सहारे महिला को बाहर निकाला गया। महिला को उपचार के लिए जिला अस्पताल में ले जाया गया, जहां महिला का उपचार जारी है। बताया जा रहा है पारिवारिक कारणों के चलते महिला नदी में कूदी थी। स्थानीय लोगों की सजगता से महिला को बचाया जा सका।

लालघाटी थाना प्रभारी केके चौबे ने बताया कि, महिला आत्महत्या करने के लिए नदी में कूदी थी। महिला मगरिया इलाके की बताई जा रही है। स्थानीय लोगों से जानकारी प्राप्त हुई है कि पारिवारिक कारणों से महिला नदी में कूदी थी। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

नियमों को ताक में रखकर टोल प्लाजा कर्मचारी कर रहे वसूली

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

प्रशासन की उदासीनता के कारण टोल प्लाजा कर्मचारी कमर्शियल वाहनों से जमकर अवेध वसूली कर रहे हैं। एक तरफ प्रशासन टोल टैक्स का खुलेआम सपोर्ट कर रहा है जिससे जनता की निगाहों से दिन प्रतिदिन नीचे स्तर पर जा रहा है। न ही कमर्शियल वाहन चालकों को कोई राहत दिला रहा है।

बात करें शुजालपुर-सारंगपुर मार्ग की तो कई जगह पर काफी क्षतिग्रस्त हो चुका है। साइड में भी गहरी नाली सी बनी हुई है। अंधे मोड़ पर लगे रेलिंग जो की देखरेख के अभाव में पूरी तरह खस्ता हालात हो चुके हैं। मार्ग पर कई जगह गड्ढे ही गड्ढे हैं। कुछ महीने पहले ही रानोगंज नेवज पुल पर उचोद निवासी की गड्ढे के कारण बाइक फिसलने से मौत हो गई थी। पुल पर ही घटिया निर्माण कार्य चल रहा था जिसका खामियाजा राहगीर ने अपनी जान देकर चुकाना पड़ा था। कर्मिशनल वाहनों के मालिक को द्वारा हजारों रुपए वर्ष भर का टैक्स भरते हैं जो भी सरकार को कम पड़ता है। शायद इसलिए यह क्षतिग्रस्त रोड पर टोल टैक्स से लगवा कर वाहन चालकों से अवैध वसूली की जाती है।

दूसरी ओर देखा जाए तो बिना किसी संकेत बोर्ड लगाए टोल प्लाजा पर बड़े-बड़े ब्रेकर बना दिए गए है, जिसके चलते कई बाइक सवार गिरकर घायल हो रहे हैं। ब्रेकर के बारे में कोई संकेत बोर्ड भी नहीं लगा है। बिना किसी परमिशन के बीच सड़क पर चद्दर की गुमटी रख टोल टैक्स वसूला जा रहा है ओर रात 12 के बाद उक्त टोल कर्मचारी कुंभकर्ण नींद सो जाते है। ये कैसा हे टोल प्लाजा सुबह 4 बजे जल्द उठ कर फिर वही अपना काम चालू कर देते है। न ही टोल प्लाजा पर कोई एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध नहीं है। अगर आस-पास में कोई एक्सीडेंट होता है तो घायल को कैसे ले जाया जा सकता है। जबकि हर टोल पर एंबुलेंस होना अनिवार्य है। मगर ऐसा अकोदिया-अजनई टोल पर बिल्कुल भी सुविधा नहीं है। सुविधा है तो सिर्फ लूटा मारी की, न ही कैमरे लगे है, न पानी पीने की व्यवस्था है। बारिश में भीगने से बचने की व्यवस्था भी नही है।

ये सब कुछ शासन-प्रशासन देखकर भी अपनी आखों से नजर अंदाज कर रहा है। जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। सूत्रों के मुताबिक अगर ऐसा ही चलता रहा तो शुजालपुर-अकोदिया की जनता टोल प्लाजा पर चक्का जाम भी कर सकती है। ये स्थिति भी प्रशासन को देखने को बहुत जल्द मिल सकती है। सूत्रों द्वारा बताया गया कि, बाहर से आने जाने वाले ट्रक व कई लोडिंग अन्य वाहन बीच सड़क पर चद्दर गुमटी व तम्बू को देखकर घबरा व डर कर अपना वाहन वापस लेकर भाग जाते है। जब सुबह आस पास के लोगों से जानकारी लेने के बाद वो अपना सफर तय करते है।

टोल प्लाजा के संबंध में कलेक्टर दिनेश जैन को गूंज प्रतिनिधि द्वारा फोन लगाकर जानना चाहा, लेकिन कलेक्टर फोन रिसीव करना उचित नहीं समझा...।

वही एसडीएम सतेन्द्र सिंह का कहना है कि, टोल एमपीआरडीसी में आता है हम इसको कोई निर्देशित नही कर सकते हैं। न ही इसके रख रखाव संबंधित किसी बात पर सुनवाई कर सकते हैं।

परिषद पर अपनी सरकार बनाने की लिए पार्टियों ने शुरू की पार्षदो की बाड़ेबंदी

माही की गूंज, मंदसौर। साहिल अगवान

निकाय चुनाव के परिणाम गत दिवस आ गए। इसमें भानपुरा कांग्रेस, बाकी पर भाजपा और शामगड़ और भैसोंदा पर दोनों दलों को स्पष्ट बहुमत नहीं दिया है। यहां निर्दलीय निर्णायक भूमिका में है। अब दोनों दलों ने इसके लिए तैयारियां शुरु कर दी है। जैसे-तैस कर अपने दल का अध्यक्ष बना दिया जाए। इसके लिए पार्षदों की बाडेबंदी भी शुरु कर दी है। वहीं अगर गरोठ भानपुरा विधानसभा क्षेत्र कि बात कि जाए तो भानपुरा में पूर्व मंत्री ने अध्यक्ष पद के लिए शिव भानपिया को उम्मीदवार भी घोषित कर दिया है। ऐसे में लगभग घोषित नवनिर्वाचित पार्षद का अध्यक्ष बनना लगभग तय माना जा रहा है।

गरोठ में पार्षदों की बाड़ेबंदी शुरू

गरोठ में भाजपा के आठ और कांग्रेस के सात पार्षद चुन कर आए है। भाजपा से दो नवनिर्वाचित पार्षद राजेश सेठिया और राजेश चौधरी अध्यक्ष पद के प्रबल दावेदार है। यहां पर भाजपा ने सभी पार्षदों की बाडेबंदी कर दी है। सभी पार्षद एक जगह ही है। वही कांग्रेस की ओर से इन आठ में से एक पार्षद को किस तरह अपने पक्ष में क्रास वोटिंग करवाए उसको लेकर प्रयास चल रहे है। कॉग्रेस से अध्यक्ष पद के दावेदार ललित चंदेल हो सकते हैं। अब सवाल यह भी उठता है कि, क्या कांग्रेस क्रॉस वोटिंग कराने मे सफल होगी...?

भैसोदा में फंसा पेंच

दो गुटों मे बटी कॉग्रेस भैसोदा में छह कांग्रेस और सात भाजपा के पार्षद है और दो निर्दलीय है। दोनों निर्दलीय कॉग्रेस के बागी है। लेकिन यहां पर दो गुट मे कांग्रेस है। एक गुट पूर्व मंत्री सुभाष कुमार सोजतिया का है और एक गुट कॉग्रेस नेता त्रिलोक पाटीदार का है। यदि दोनों नेताओं में सहमति होती है तो कॉग्रेस की परिषद बनने की संभावना है। नहीं तो भाजपा की परिषद बन सकती है। यहां पर कांग्रेस से नेहा अमित पाटीदार और अंशुल राज पाटीदार प्रबल दावेदार है। तो भाजपा से सीमा राकेश यादव और रेखा श्याम गुर्जर प्रबल दावेदार है।

देश विरोधी नारे लगाने के मामले में पार्षद समीउल्ला को भेजा जेल

माही की गूंज, शाजापुर।

शहर में 17 जुलाई को नगर पालिका के लिए हुई मतगणना के बाद एक विजयी पार्षद की रैली में वर्ग विशेष से जुड़े लोगों ने पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगे। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के मामले में कोतवाली पुलिस ने धारा 188, 153 बी के तहत प्रकरण दर्ज कर शहर के वार्ड नंबर 12 से एसडीपीआई पार्टी के पार्षद समीउल्ला खान को गिरफ्तार कर न्यापालय में पेश किया था, जहॉ से उसे जेल भेज दिया गया।

मामले को लेकर विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने इस घटना का विरोध करते हुए स्थानीय बस स्टैंड से वाहन रैली निकाली और एसपी कार्यालय पहुंचकर एसपी जगदीश डाबर को ज्ञापन सौंप था और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

यह था मामला

शहर के वार्ड नंबर 12 से एसडीपीआई पार्टी के उम्मीदवार समीउल्ला खान के जीतने की जानकारी लगते ही वहां बड़ी संख्या में युवा एकत्रित हो गए और बैंड बाजों के साथ पार्षद को बग्घी में बिठाकर पूरे शहर में जुलूस निकाला। इसी दौरान विजय रैली में कुछ युवाओं ने 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाएं थे। पाकिस्तान जिंदाबाद के नारों का यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा था। इस वीडियो के वायरल होने के बाद हिन्दू वादी संगठन ने इसका विरोध जताते हुए एसपी को ज्ञापन सौंपा था।

साले ने चुराई जेसीबी, ठिकाने लगाने की फिराक में था जीजा

मोहन बड़ोदिया फुटेज के आधार पर शाजापुर पहुंची पुलिस टीम

माही की गूंज, उज्जैन/शाजापुर।

उज्जैन जिले के प्रवाहा पेट्रोल पंप के सामने से चोरी हुई जेसीबी पुलिस ने शाजापुर से बरामद कर ली है। चोरी करने वाला और उसका साथी गिरफ्त में नहीं आ सके। जेसीबी चोर के जीजा के पास मिली है जो ठिकाने लगाने की फिराक में था।

पवासा थाना क्षेत्र प्रवाह पेट्रोल पंप के सामने खड़ी जेसीबी क्रमांक एमपी 42 डीए 0498, 16-17 जुलाई की रात चोरी हो गई थी। पुलिस ने मोहम्मद सद्दाम हुसैन निवासी पवासा की शिकायत पर प्रकरण दर्ज करने के बाद क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरे देखे तो जेसीबी के साथ चलती हुई बाइक दिखाई दी। जिसके नंबर ट्रेस करने के बाद पुलिस शाजापुर के मोहन बड़ोदिया पहुंची। बाइक वीरेंद्र नरवरिया की होना सामने आई। जिसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसने चोरी की जेसीबी अपने पास होना बता दिया। निशानदेही पर 16 लाख रुपए कीमत की जेसीबी जप्त करने के बाद वीरेंद्र को गिरफ्तार कर पुलिस उज्जैन ले आई।

पूछताछ में सामने आया कि, जेसीबी उसके साले रामेश्वर और अर्जुन ने चोरी की थी। रामेश्वर जेसीबी ऑपरेट करता है। चोरी के बाद जीजा को बेचने के लिए दी थी। पुलिस ने गिरफ्त में आए वीरेंद्र को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लेने की बात कही है।

थाना प्रभारी गजेंद्र पचोरिया ने बताया कि, जेसीबी चोरी करने वाले आरोपी और उसके साथी की तलाश की जा रही है। फुटेज सामने आने के बाद पुलिस सबसे पहले तराना पहुंची थी जहां से माकड़ोन और मोहन बड़ोदिया तक का सुराग तलाश आ गया था। 4 दिनों तक एएसआई सुरेशकुमार शर्मा, प्रधान आरक्षक नीरज पटेल, नितिन चौहान, आरक्षक विरेन्द्रसिंह, सुनिल भदौरिया, भानूप्रतापसिंह, सैनिक जितेन्द्र थावलिया की टीम मामले की पड़ताल में लगी थी।

स्कूली विद्यार्थियों व आमजन के सिर पर मंडारा रहा मौत का खतरा

माही की गूंज, शाजापुर।

राज्य स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के गृह जिले शाजापुर में छात्र-छात्राओं व आम जनता के जीवन के साथ ठेकेदार द्वारा जमकर खिलवाड़ किया जा रहा है। चाहे बात कालापीपल तहसील की हो या शाजापुर जिले की जहा देखो वहा पर छात्र-छात्राओं के सिर पर मौत मंडरा रही है। कालापीपल तहसील के ग्राम देवरा खेड़ी में तो यह स्थिति है कि, रस्सी के सहारे विद्यार्थियों को ग्रामीण जनों ने अपने कंधों पर बिठाकर बड़ी मशक्कत से नाला पार करवाकर स्कूल भेजते है। इतना सब कुछ देख कर भी शाजापुर प्रशासन के सिर पर जूं तक नहीं रेंगी। आखिर किस बड़ी अनहोनी का इंतजार शाजापुर प्रशासन व राजनेता कर रहै है। यह भी आम जनता के मुंह पर चर्चा का विषय बना है।

दूसरी ओर देखा जाए तो राज्य मंत्री इंदर सिंह परमार के कार्यलय से 3 किलो मीटर दूर स्थित ग्राम भीलखेड़ी में पुलिया पर पानी होने की स्थिति में स्कूली विद्यार्थियों को मजबूरन पुलिया पार करने को मजबूर है।

स्कूल के बच्चो ने बताया कि, यहां पर नाला उफान पर होने में पार करते समय कई जाने जा चुकी है। पिछली बार भी कालापीपल के दो युवक पानी में बह गए थे। एक को पुलिस आरक्षक राजकुमार ने पानी में कूदकर उसकी जान बचाई थी ओर एक को नही बचा सके थे। इन सब घटनाओं को देखते हुए भी यहां पर शासन प्रशासन मूक दर्शक बना हुआ है।

शासन द्वारा बड़ी पुलिया का निर्माण 31 मई 2019 स्वीकृत किया गया था जिसको आज 3 वर्ष होने को आए हैं लेकिन पुलिया का निर्माण अभी भी अधूरा पड़ा है ओर न जाने कब तक यही हाल देखने को मिलेगा। ऐसे में संबंधित अधिकारियों पर कई तरह के सवाल उठ रहे है। आखिर किस कारण से इसका कार्य समय अवधि में नहीं हो पाया...? क्या पुल निर्माण की सारी राशि भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी है...? जबकि यहां जनहानि होने की प्रबल संभावना बनी रहती है। उक्त पुल को 31 मई 2020 में बनकर तैयार होना था। लेकिन जिम्मेदारों की लापरवाही और ठेकेदार की मनमानी व साठ-गाठ के चलते जिम्मेदार मोन साधे हुए हैं। कोई देखने वाला नहीं। यहां आये दिन हादसे होने की संभावना बनी रहती है व कई बार हादसे भी हुए है।

जीएम शिवहरे से बात करने पर बताया कि, ऑन द वे हूं मुझे जानकारी नहीं है, असिस्टेंट इंजीनियर से पूछ लीजिए। कहकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया।

कहीं निर्विरोध हुआ चुनाव तो कहीं उपसरपंच प्रत्याशी का हुआ अपहरण

माही की गूंज, मंदसौर। जिले में दूसरे चरण में हुए पंचायत चुनाव में ग्राम पंचायत के उपसरपंच के चुनाव मंगलवार को संपन्न हुए। दूसरे चरण में जिले के मल्हारगढ़ और गरोठ जनपद क्षेत्र के चुनाव संपन्न हुए थे।

मल्हारगढ़ जनपद में 84 गांवो में 44 निर्विरोध

मल्हारगढ़ जनपद क्षेत्र की 84 ग्राम पंचायतों में मंगलवार को उपसरपंच के निर्वाचन की प्रक्रिया की गई। इसमें 36 पदों पर निर्वाचन प्रक्रिया की गई, जबकि 44 पदों पर निर्विरोध उपसरपंच निर्वाचित हो गए। वहीं 4 ग्राम पंचायत में गोटी सिस्टम के आधार पर उपसरपंच का चुनाव किया गया। जनपद की आक्याबिका ग्राम पंचायत में जगदीश डांगी निर्विरोध उप सरपंच चुने गए। यहां पूरी ग्राम पंचायत निर्विरोध चुनी गई थी। खुटी में कलाबाई, अर्निया जटिया में नवीन नागर निर्विरोध उप सरपंच चुने गए।

गरोठ की 100 पंचायतों में 65 निर्विरोध

मल्हारगढ़ ग्राम पंचायत के साथ ही गरोठ की 100 ग्राम पंचायतों में 65 उप सरपंच निर्विरोध और 35 पदों पर निर्वाचन किया गया। ग्राम पंचायत विशनिया में उप सरपंच की लड़ाई में गांव के दो लोगों का अपहरण कर लिया, इसका गरोठ थाने में प्रकरण दर्ज हुआ।

गांव विशनिया में अपहरण का मामला आया सामने आया है। विशनिया के मदन पिता सरदार सिंह (48) और धीरज पिता गुमान सिंह गांव में नहीं दिखाई दे रहे है। दरअसल, उपसरपंच निर्वाचन होना है, जिसको लेकर वार्ड मेंबर का अपहरण की बात सामने आई थी।

गरोठ थाने पर इस संबंध में अपहरण का मामला दर्ज किया गया। इसमें बालू सिंह पिता गंगाराम राजपूत और गोविंद सिंह पिता गंगाराम को आरोपी बनाया है। शिकायतकर्ता कमल पिता मदन सिंह सोंधिया राजपूत ने बताया कि मदन सिंह और गुमान सिंह का अपहरण चांदखेड़ी रोड पर चक्की के पास से हुआ है।

गरोठ थाना प्रभारी बीएस गोरे ने बताया कि, अपहरण का मामला बना है, दो व्यक्तियों का अपहरण गांव विशनिया के बालू सिंह व गोविंद सिंह ने किया है, ऐसी शिकायत मिली है। जिस पर कार्रवाई करते हुए अपहरणकर्ता व्यक्तियों के साक्ष्य के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तीन बहनों के शव पेड़ से लटकते मिले

माही की गूंज, खंडवा। जिले में 3 सगी बहनों के शव देर रात एक पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटके मिले। घटना खंडवा के जावर थाना क्षेत्र के ग्राम कोटघट की है। पुलिस को रात 2 बजे जब घटना की जानकारी मिली तो वह तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को फंदे से उतर कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। जहां तीनों बहनों का पोस्टमार्टम किया का रहा है। यह घटना हत्या है या आत्महत्या अभी पुलिस इसकी जांच कर रही है।

खंडवा के कोटाघट गांव में तीन बहनों का शव पेड़ पर फंदे से लटके मिले। देर रात करीब दो बजे घटना की जानकारी लगने पर पुलिस मौके पर पहुंची। शवों को फंदे से उतारकर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। साथ ही पुलिस अधिकारी मामले की जांच में जुट गए। घटना मंगलवार रात की है। पुलिस रात ढाई बजे घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस के मुताबिक घटनास्थल पर फिलहाल कोई भी सुसाइड नोट या साक्ष्य नहीं मिला है। मामले की जांच की जा रही है। अभी नहीं का जा सकता है कि इन्होंने आत्महत्या की है या फिर हत्या का मामला है।

जावर थाना प्रभारी शिवराम जाट ने बताया कि, तीनों बहनों के नाम सोनू, सावित्री और ललिता है। उनके पिता जामसिंह का निधन हो चुका है। तीनों ही आदिवासी समाज की हैं और 8 भाई-बहन हैं। इसमें से दो बहनों की शादी नही हुई थी। सोनू और सावित्री खंडवा में एसएन कॉलेज में पढ़ती है। बड़ी बहन सावित्री कुछ ही दिन पहले मायके आई हुई थी। जावर थाना पर प्रभारी के अनुसार मामला आत्महत्या का हो सकता है। उन्होंने बताया कि, जिस रस्सी से फंदा लगाया गया था वह नई थी। फिलहाल आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं है।

अपेक्स इंटरनेशनल स्कूल को बच्चों की जान खतरे में डालने के लिए जारी हुआ नोटिस

माही की गूंज, शाजापुर।

अनुविभागीय दंडाधिकारी शाजापुर श्रीमती शैली कनाश द्वारा तिलावद गोविंद के अपेक्स इंटरनेशनल स्कूल के संचालक को स्कूली बच्चों की जान खतरे में डालने के कारण, विद्यालय संचालन की अनुमति निरस्त करने संबंधी ÷कारण बताओ सूचना पत्र÷ जारी किया गया है। कारण बताओ सूचना पत्र में लेख है कि, आम जनता एवं सोशल मिडिया के माध्यम से यह जानकारी प्राप्त हुई है कि अपेक्स इंटरनेशनल ग्राम तिलावद गोविन्द की लगभग 70 बच्चों (ग्राम लाहोरी के 40 एवं ग्राम धाराखेड़ी के 30) से भरी स्कूल बस क्रमांक एमपी 42 पी 0443 को दोपहर लगभग 3 बजे बस ड्राईवर भागीरथ पिता उमराव निवासी रंथभंवर द्वारा ग्रामीणों एवं बच्चों द्वारा मना करने के बाद भी असुरक्षित तरीके से पानी में उतारा गया। जिससे बस का इंजन बंद हो गया व बस में पानी भरने लगा। जिसके कारण वाहन में सवार स्कूली बच्चों की जान को खतरा उत्पन्न हो गया।

उक्त कृत्य अत्यंत ही लापरवाही का द्योतक है तथा उक्त घटना में बस में सवार बच्चों की जान जा सकती थी। अभिभावकों द्वारा द्वारा ड्राईवर एवं स्कूल संचालकों का व्यवहार भी अच्छा नहीं होना बताया गया है। इससे यह भी स्पष्ट है कि, स्कूल संचालक द्वारा अपने वाहन चालक व अन्य अधीनस्थों पर नियंत्रण नहीं रखा जाता है। प्राप्त जानकारी अनुसार वाहन से ग्रामीणों द्वारा बच्चों को सुरक्षित निकाला गया है। अतएव उक्त कृत्य के लिए क्यों न विद्यालय के संचालकों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए साथ ही क्यों न विद्यालय के संचालन की अनुमति निरस्त की जाए।

साथ ही स्कूल संचालक को निर्देश दिए गए हैं कि, वे तत्काल उक्त बस को थाना बेरछा जिला शाजापुर में जब्ती/अभिरक्षा में देना सुनिश्चित करें एवं उक्त घटना एवं वाहन चालक तथा सकूल संचालक के लापरवाही के संबंध में अपना प्रतिउत्तर एक दिवस की समयावधि में कलेक्टर कार्यालय जिला शाजापुर में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। जवाब प्रस्तुत न करने की दशा में विद्यालय के संचालन की अनुमति निरस्त की जाकर आपके विरुद्ध एक पक्षीय वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

जिला शिक्षा अधिकारी ने भी जारी किया नोटिस

उक्त स्कूल संचालक को जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा लापरवाही पूर्वक वाहन का संचालन कर बच्चों के जीवन को संकट में डालने के कारण मान्यता समाप्ति के लिए नोटिस दिया गया है।

वाहन चालक के विरुद्ध धारा 151 में कार्यवाही

शाजापुर जिले के ग्राम तिलावद गोविंद के अपेक्स इंटरनेशनल स्कूल के वाहन चालक द्वारा बच्चों के साथ असुरक्षित तरीके से वाहन पानी में उतारने की लापरवाही पर बेरछा टप्पा नायब तहसीलदार गौरव पोरवाल द्वारा भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 151 के तहत वाहन चालक भगीरथ पिता उमरावसिंह के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए उसे 7 दिनों के लिए जेल में निरुद्ध किया गया है।

केन्द्रीय जेल बंदियों को लगाया प्रिकाशन डोज

माही की गूंज, बड़वानी। जिले में चल रहे कोविड वैक्सीनेशन प्रिकाशन डोज महाअभियान के अंतर्गत बुधवार को केन्द्रीय जेल बड़वानी में भी जिला चिकित्सालय बड़वानी की टीम द्वारा बंदियों को वैक्सीन का प्रिकाशन डोज लगाया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिता सिंगारे से प्राप्त जानकारी अनुसार, प्रिकाशन डोज लगाने हेतु केन्द्रीय जेल बड़वानी में विशेष कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें 442 बंदियों को प्रिकाशन डोज लगाया गया। इस दौरान सहायक अधीक्षक विनय काबरा, सुश्री संस्कृता जोशी, मेलनर्स महेन्द्र पाटीदार एवं जेल स्टाफ उपस्थित रहा।

श्रीमती बंसल के नेत्रों से मिलेगी 4 आंखों को रोशनी

माही की गूंज, बड़वानी।

अंजड निवासी श्रीमती प्रेमलता रमेशचंद्र बंसल का ब्रेन हेमरेज से निधन हो गया। इस पर उनके परिजनों पुत्र रजनीश बंसल, भतीजे नितेश बंसल, शैलेंद्र बंसल ने उनके नेत्रदान की इच्छा जताई। इस पर उन्होंने लायंस क्लब अंजड़ के लायन धर्मेंद्र जैन एवं साई हॉस्पिटल बड़वानी के डॉ. हेमंत बार्चे एवं डॉ निलेश मंडलोई से संपर्क किया। उनकी सूचना पर लायंस क्लब बड़वानी सिटी के लायन राम जाट सरस्वती नेत्र चिकित्सालय के डॉ. ललित मालव को साथ लेकर साईं हॉस्पिटल बड़वानी पहुंचे एवं नेत्रदान संपन्न करवाए एवं कार्निया को सॉल्यूशन में प्रिजर्व कर एमके इंटरनेशनल आई बैंक इंदौर पहुंचाए।

लायन राम जाट ने बताया, श्रीमती प्रेमलता बंसल जी के कार्निया से 4 नेत्रों को नवज्योति मिलेगी। नेत्रदान के इस पुनीत सेवा में लायंस क्लब अंजड, लायंस क्लब बड़वानी एवं श्री साई बाबा जीवनधारा हॉस्पिटल बड़वानी के साथ परिजनों का सराहनीय योगदान रहा। श्रीमती बंसल के दुःखद निधन से क्षेत्र में शोक की लहर छा गई है।

भूमि अंतरण मामले की जांच एसडीएम करेगी

माही की गूंज, खरगोन।

झिरन्या तहसील के अम्बाडोचर गांव के माँ और बेटा आवेदन लेकर कलेक्टर के समक्ष उपस्थित हुए। आवेदन को पढ़ने के बाद कलेक्टर कुमार ने भीकनगांव एसडीएम सुश्री शिराली जैन को कॉल कर कहा कि जनसुनवाई में आवेदक आये हैं। इनके आवेदन पर जांच कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए आवेदक की समस्या का निराकरण करें। मामला भूमि अंतरण का है। जिसमें पिता पारसिंह उर्फ पहाड़सिंह पिता माना बारेला द्वारा विक्रय पत्र इसी भूमि के लिए बनाया गया था। पिता की मृत्यु के बाद बेटी के नाम जमीन हुई लेकिन त्रुटिवश बेटी के नाम की भूमि समीर के नाम अंतरित कर दी गई। जिसकी जानकारी नहीं दी गई।

जिले के 4 जनपद पंचायत में अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का निर्वाचन सम्पन्न

माही की गूंज, बड़वानी।

जिले के 7 जनपद पंचायत में से 4 जनपद पंचायत सेंधवा, पानसेमल, ठीकरी एवं राजपुर में निर्वाचित जनपद पंचायत सदस्यो का प्रथम सम्मेलन बुधवार को संबंधित जनपद पंचायतो में पीठासीन अधिकारी की उपस्थिति में किया गया। इस दौरान प्रथम सम्मेलन के दौरान निर्वाचित सदस्यो ने मतदान कर अपने बीच से जनपद पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का भी निर्वाचन किया। निर्वाचन की इस कार्यवाही के लिये कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने सेंधवा जनपद के लिये एसडीएम सेंधवा श्रीमती तपस्या परिहार, पानसेमल जनपद के लिये एसडीएम पानसेमल सुश्री अंशु जावला, राजपुर जनपद के लिये एसडीएम राजपुर वीरसिंह चैहान एवं ठीकरी जनपद के लिये तहसीलदार ठीकरी डॉ. मुन्ना अड को प्राधिकृत अधिकारी नियुक्त किया था। नियुक्त इन प्राधिकृत अधिकारियो ने अपनी देख-रेख में निर्वाचन की कार्यवाही सम्पन्न करवाई।

स्थानीय निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार, बुधवार को हुये प्रथम सम्मेलन के दौरान हुये निर्वाचन में जनपद पंचायत राजपुर में अध्यक्ष श्रीमति अनिताबाई सरदार खन्ना, उपाध्यक्ष श्रीमती मायादेवी प्रकाशचन्द्र यादव, जनपद पंचायत ठीकरी में अध्यक्ष मनोहरसिंह अवास्या, उपाध्यक्ष नारायण डोंगरसिंह, जनपद पंचायत पानसेमल में अध्यक्ष श्रीमति शीला वसावे, उपाध्यक्ष लालसिंग पंवार, जनपद पंचायत सेंधवा में अध्यक्ष श्रीमती लता सीताराम, उपाध्यक्ष सीताराम भामसिंह बरडे निर्वाचित हुए है।

आज बड़वानी, निवाली एवं पाटी जनपद पंचायत निर्वाचित सदस्यों का प्रथम सम्मेलन स्थानीय निर्वाचन होगा। कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार गुरूवार को जनपद पंचायत निवाली, बड़वानी एवं पाटी में निर्वाचित जनपद पंचायत सदस्यों का प्रथम सम्मेलन प्राधिकृत अधिकारियों की उपस्थिति में होगा। जिसमें अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का निर्वाचन किया जायेगा।

जिला चिकित्सालय में पुनः प्रारंभ होगा आंखों का ऑपरेशन

माही की गूंज, बड़वानी।

जिला चिकित्सालय बड़वानी में लम्बे समय से बंद आंखों का आपरेशन पुनः प्रारंभ होगा। कलेक्टर बड़वानी शिवराजसिंह वर्मा द्वारा भोपाल भेजे गये पत्रों पर आये विशेषज्ञों के दल ने बुधवार को कलेक्टर से मुलाकात कर विस्तृत कार्ययोजना से उन्हें अवगत कराया। इस दौरान कलेक्टर ने भोपाल से आये राष्ट्रीय दृष्टिहीनता अधंत्व निवारण कार्यक्रम के उपसंचालक डॉ. अंशुल उपाध्याय एवं सलाहकार डॉ. रश्मि गुर्जर को आश्वस्त किया कि, जिला चिकित्सालय में आंखों के आपरेशन हेतु निर्मित आधुनिक आपरेशन थियेटर में जो भी माइनर आवश्यकता होगी, उसे रोगी कल्याण समिति के माध्यम से तत्काल पूर्ण कराया जायेगा। इस दौरान नवागत सिविल सर्जन डॉ. मनोज खन्ना भी उपस्थित थे।

कलेक्टर से मुलाकात के दौरान विशेषज्ञ दल के सदस्यों ने बताया कि, तात्कालिक रूप से इन्दौर डिवीजन के अन्य जिलो में पदस्थ नैत्र चिकित्सको को सप्ताह के निर्धारित तिथि एवं वार को भेजकर यहाँ पर मोतियाबिन्द के आपरेशन पुनः प्रारंभ करवाया जायेगा। जिससे अभी इन्दौर के प्रायवेट चिकित्सा संस्थानो में भेजकर आपरेशन करवाने की बाध्यता समाप्त हो सके। इस दौरान कलेक्टर ने तात्कालिक इस व्यवस्था के प्रति जहाँ खुशी जाहिर की, वहीं स्थाई रूप से कुशल नैत्र चिकित्सक को जिला चिकित्सालय में पदस्थ करने की भी आवश्यकता बताई। जिससे दूर-दराज क्षेत्रो से प्रतिदिन आने वाले नैत्र रोगियो को कुशल चिकित्सक की सुविधा हमेशा उपलब्ध हो सके।

वैक्सीनेशन महाअभियान में जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर

माही की गूंज, बड़वानी।

वैक्सीनेशन महाअभियान के दौरान बड़वानी जिले ने बुधवार को प्रदेश में हुये वैक्सीनेशन अभियान के दौरान प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त करते हुये निर्धारित लक्ष्य से 139 प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त की है। इस दौरान बड़वानी जिले में 31 हजार 273 के लक्ष्य के विरूद्ध 43 हजार 359 लोगो का वैक्सीनेशन करने में सफलता प्राप्त की है। बड़वानी जिले को मिली इस उपलब्धि के लिये एनएचएम की एमडी सुश्री प्रियंकादास ने जहाँ शाबासी दी है, वहीं कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने भी जिले को मिली इस उपलब्धि पर स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभागों के मैदानी अमले द्वारा किये गये प्रयासो की मुक्त कण्ठ से प्रशंसा करते हुये विश्वास व्यक्त किया कि आगे भी हम सब लोग मिलकर इसी प्रकार का कार्य करते रहेंगे। जिससे जिले के शत-प्रतिशत लोगो को प्रिकाशन वैक्सीनेशन का डोज लगाया जा सके ।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिता सिंगारे ने बताया कि, बुधवार को चले इस वैक्सीनेशन महाअभियान के दौरान कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा के निर्देशन में विशेष प्रयास किये गये। जिसके कारण जिले ने प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उन्होने बताया कि, वैक्सीनेशन करवाने की व्यवस्था 397 स्थानो पर की गई थी। जिसके कारण बड़वानी जिला प्रारंभ से ही प्रदेश के टॉप जिलो में बना रहा। प्रातः 11 बजे तक जिले में निर्धारित 31 हजार 273 के लक्ष्य के विरूद्ध 4 हजार 236 लोगो का वैक्सीनेशन, दोपहर 1 बजे तक 17 हजार 387 लोगो का वैक्सीनेशन, दोपहर 2 बजे तक 24 हजार 249 लोगो का वैक्सीनेशन, दोपहर 3 बजे तक 30 हजार 648 लोगो का वैक्सीनेशन, सायं 4 बजे तक 36 हजार 683 लोगो का वैक्सीनेशन, सायं 5 बजे तक 40 हजार 361 लोगो का वैक्सीनेशन तथा सायं 6 बजे तक 43 हजार 359 लोगों का वैक्सीनेशन कर बड़वानी जिले ने लक्ष्य के विरूद्ध 139 प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त कर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

फर्टिलाइजर फर्म का निरीक्षण करने पहुँची राजस्व और कृषि विभाग की टीम

माही की गूंज, खरगोन।

भग्यापुर के आरजे सेल्स फर्टिलाइजर फर्म का निरीक्षण करने पहुँची राजस्व और कृषि विभाग की टीम। निरीक्षण के दौरान स्टॉक और भौतिक सत्यापन में अंतर पाया गया। कृषि उप संचालक एमएल चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि, भग्यापुर के राहुल गुप्ता की फर्म का मौका मुआयना किया गया। फर्म का निरीक्षण संयुक्त रूप से कृषि उपसंचालक और नायब तहसीलदार भगवानपुरा मुकेश मचार ने किया। फर्म पर स्टॉक बुक में चंबल यूरिया की 300 बोरी अधिक पायी गई। जबकि भौतिक रूप से 300 बोरी कम पायी गई। फर्म का लाइसेंस 2 हजार 26 तक के लिए वैध पायी गई। कृषि उपसंचालक चौहान से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को अवैध रूप से खाद का परिवहन होने के मामले में कई गई कार्यवाही में इस फर्म की संदिग्ध भूमिका नजर आ रही है।

आबकारी विभाग की कार्रवाई में 22 बल्क लीटर मदिरा जप्त

माही की गूंज, खरगोन।

जिले में अवैध मदिरा के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के आदेश एवं सहायक आबकारी आयुक्त अभिषेक तिवारी के निर्देशानुसार व सहायक जिला आबकारी अधिकारी टीआर गंधारे के मार्गदर्शन में जिले के वृत खरगोन 'स' के आबकारी दल द्वारा मंगलवार को अवैध मदिरा विक्रेताओं के विरुद्ध कार्यवाही की गई। आबकारी दल द्वारा कार्यवाही वृत खरगोन 'स' के ग्राम शाहपुरा (गोगांवा) में देवश्री ढाबा पर की गई है। कार्यवाही के दौरान वृत प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश मालवीय द्वारा मप्र आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) क, का प्रकरण दर्ज कर 50 वर्षीय आरोपी विरेन्द्र चौहान पिता बागसिंह निवासी मोहम्मदपुर हाल मुकाम शाहपुरा(गोगावां), थाना गोगावां को गिरफ्तार कर जमानत मुचलके पर रिहा किया। आबकारी विभाग द्वारा की गई कार्यवाही में 50 पाव देशी मदिरा प्लेन तथा 20 बाटल विदेशी मदिरा माल्ट, कुल 22 बल्क लीटर मदिरा जप्त की है। आबकारी विभाग द्वारा प्रकरण में जप्त मदिरा का बाजार मूल्य लगभग 5 हजार 750 रुपये है। कार्यवाही में आबकारी आरक्षक मनोहरसिंह बुंदेला का सराहनीय योगदान रहा।

मास शिवरात्रि के अवसर पर घर-घर पार्थिव शिवलिंग का किया अभिषेक

माही की गूंज, आम्बुआ।

यह समय श्रावण मास का होकर भगवान भोलेनाथ का प्रिय महीना माना जाता है। इस पूरे महीने शिव भक्त शिव आराधना करते हैं। इसी क्रम में मास शिवरात्रि पर परम पूज्य शिव कथा प्रवक्ता पंडित श्री प्रदीप मिश्रा के आह्वान पर संपूर्ण भारत के साथ ही आम्बुआ में पार्थिव शिवलिंग का अभिषेक कर पूजा की गई।

सावन महीना सनातन हिंदू धर्म में 12 महीनों में श्रेष्ठ महीना माना जाता है। भगवान विष्णु जी के 4 माह तक योग निद्रा में होने के कारण भगवान भोलेनाथ को पृथ्वी के समस्त भार को उठाना पड़ता है। इन्हीं चार महीनों में श्रावण मास जो कि भूतभावन भोलेनाथ महाकाल प्रभु काशी विश्वनाथ कैलाश पति उमापति श्री महादेव का प्रिय मास माना जाता है। इसी महीने की मास शिवरात्रि जिसमें त्रिकालदर्शी शिव शंकर की विशेष पूजा का विधान है। श्री कुबेरेश्वर धाम सीहोर के परम पूज्य शिवकथा, शिव महिमा का गुणानुवाद करते हुए हर सनातनी जो कि शिव उपासना से दूर होता जा रहा था, उसको पुनः शिवालयों की और मोड देने वाले पंडित श्री प्रदीप मिश्रा के आह्वान पर मसशिवरात्रि (26 जुलाई) के अवसर पर भारत वर्ष के हर सनातनी हिंदू परिवारों के साथ ही आम्बुआ कस्बे के सनातनी हिंदू परिवारों में भी पार्थिव शिवलिंग का निर्माण शाम 7 बजे से रात्रि 8 बजे तक विशेष पूजा-अर्चना अभिषेक किया गया। साथ ही परिवार तथा कस्बें एवं क्षेत्र में शांति खुशहाली अमन-चैन तथा सुख समृद्धि आरोग्यता आदि के लिए प्रार्थना की गई। आम्बुआ तथा समीप ग्राम बोरझाड़ में लगभग हर हिंदू परिवार में शिव जी का अभिषेक किया जाकर पार्थिव शिवलिंग का विधि विधान से पूजन कर विसर्जन किया गया।

तिरंगा बनाने में जुटी एक हजार 827 महिलाएं

माही की गूंज, खरगोन। हर घर तिरंगा अभियान जिले में गति पकड़ चुका है। अभियान में 4 लाख घरों में तिरंगा लहराने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए जिला प्रशासन ने जिले के 574 समूहों को चयन कर कार्य मे लगा दिया है। एनआरएलएम की परियोजना अधिकारी सीमा निंगवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि, तिरंगा निर्माण का कार्य समूहों की महिलाओं को मिला है। यह इनके सौभाग्य की बात है। जिले में अब तक एक हजार 827 महिलाओं ने 35 हजार से अधिक तिरंगे बना दिये है। अभी भी बड़ी संख्या में तिरंगे निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। 574 समूहों के द्वारा 218 केंद्रों पर निर्माण केंद्र बनाए गए है। इन केंद्रों से 25 रुपये प्रति तिरंगा कोई भी नागरिक प्राप्त कर सकते है। एनआरएलएम की श्रीमति निंगवाल ने बताया कि जनपद स्तर के 403 शासकीय कार्यालयों से मांग प्राप्त हुई है। समूह की महिलाएं ही अपने स्तर पर कपड़ा खरीदी करने के बाद निर्माण कार्य मे जुटी है।

20 बाय 30 इंच का होगा तिरंगा

समूहों द्वारा बनाये जा रहे तिरंगों का आकार 20 बाय 30 इंच का होगा। इसमें उपयोग होने वाला कपड़ा मिश्रीत है। जिसे आम बोलचाल की भाषा मे साटन का कपड़ा कहा जाता है। तिरंगा निर्माण का कार्य जिले की सभी जनपदों के समूहों द्वारा किया जा रहा है।

अमर जवान ज्योति की तर्ज पर विकसित होगा किला परिसर

माही की गूंज, खरगोन।

खरगोन स्थित किला परिसर को विकसित करने की पूरी रूपरेखा तैयार हो गई है। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम और एसपी धर्मवीर सिंह ने किला परिसर का अवलोकन कर सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि, यहां दिल्ली के अमर जवान ज्योति स्मृति तरह ही स्थल को विकसित किया जाएगा। किले की जो मुंडेर (बाउंड्रीवाल) बनी है उन्हें जस का तस रहने दे और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के लिए बने स्थलों की भांति ही पेंटिंग बनाये। इसके अलावा जिले के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, आर्मी के जवान और पुलिस जवान स्मृति को बनाये रखने के लिए पट्टिकाओं पर नाम अंकित कराए। साथ ही एक गार्डन की भांति विकसित करते हुए चाय पान की व्यवस्था भी रखें। इसके लिए स्व सहायता समूह की महिलाओं से संपर्क कर स्टॉल बनाये। यही पर शौचालय भी बनेगा जिसका रखरखाव समूह के पास ही होगा। किला परिसर स्थित फाउंटेन को भी उसी स्वरूप में जीर्णोद्धार कर विकसित किया जाएगा। साथ ही बंद पड़े फाउंटेन को चालू किया जाएगा।

5 हजार 600 वर्गफीट क्षेत्र में विकसित होगा स्थल

किला परिसर स्थित क्षेत्र में 5 हजार 600 वर्गफीट क्षेत्र में 101 फीट का झण्डा और नाम पटिकाएँ उकेरी जाएगी। इस क्षेत्र को सुंदर बनाने के लिए नपा सीएमओ श्रीमती प्रियंका पटेल और एसडीएम मिलिंद ढोके को जिम्मेदारी दी है।

विश्व आदिवासी दिवस के लिए जयस की जिला स्तरीय बैठक संपन्न

माही की गूंज, अलीराजपुर।

विश्व आदिवासी दिवस को बड़े धूमधाम से मनाने के लिए स्थानीय आजाद भवन में आदिवासी समाज जिला कोर कमेटी एवं समाज के विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, वरिष्ठजनों की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसहमति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष प्रत्येक गांव एवं कस्बों में साप्ताहिक कार्यक्रम के तहत रैली तथा सभा का आयोजन किया जाएगा। विश्व आदिवासी दिवस 9 अगस्त का जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम जिला मुख्यालय पर हर्षउल्लास के साथ मनाया जाएगा। जिसकी तैयारियां प्रारम्भ कर दी गई है। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए विश्व आदिवासी दिवस आयोजन समिति के साथ ही विभिन्न उप समितियों का गठन किया गया है। सर्व सहमति से आयोजन समिति का अध्यक्ष समाज के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता शंकर तड़वाल एवं कार्यकारी अध्यक्ष मालसिंह तोमर को नियुक्ति किया गया है। उपाध्यक्ष के पद पर सावन सोलंकी, दिलीप बामनिया भाबरा, विक्रम सिंह बामनिया चांदपुर, संजय चौहान सोण्डवा, दिशांत गाड़रिया जोबट, अर्जुन सिंगाड उदयगढ़ तथा सचिव शैलेन्द्र डुडवा सोण्डवा, कैलाश आवासीय उमराली, राहुल कनेश, गणेश किराड़ नानपुर, सावन चोहान जोबट, अजमेर भिंडे, पिंटू चोहान अलीराजपुर, अर्जुन चोहान कट्ठीवाड़ा, अजय बामनिया भाबरा एवं करन मुजाल्दा उदयगढ़ को नियुक्त किया गया है। प्रतिभा सम्मान समिति केरम जमरा, भंगुसिंह तोमर, केरमसिंह चौहान, अरविंद कनेश एवं मुकेश रावत रहेंगे।प्रसार-प्रचार समिति में ब्लॉक वार जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही स्वागत-सत्कार समिति, पार्किंग समिति, मचं संचालन समिति, प्रोबोधन वक्ता चयन समिति, पेयजल समिति, सुरक्षा व्यवस्था (वालेंटियर) समिति, अनुशासन-नियंत्रण समिति, रैली-सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति एवं आय-व्यय समिति का गठन किया गया है। विश्व आदिवासी दिवस को यादगार बनाने के लिए इस वर्ष समाजजन अपने अपने घरों में रंगोली बनाकर शाम के समय दीपक प्रज्वलित करेंगे और देशी परम्परागत पकवान बनायेंगे। प्रत्येक गांव में आदिवासी समाज के महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण, पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधा रोपण करते हुए जिले की संस्कृति अनुरूप वेश-भूषा में परम्परागत वाद्य यंत्रों के साथ नाचते- गाते धूम धाम से सभा एवं रैली निकाली जाएगी। उसके बाद रैली के रूप में जिलेभर से आदिवासी समाजजन जिला स्तरीय कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।आयोजन समिति के अध्यक्ष शंकर भाई तड़वाल एवं जिला कोर कमेटी के सदस्यों ने अधिक से अधिक संख्या में सगाजनों को कार्यक्रम में सम्मिलित होकर सफल बनाने की अपील की गई है।

एबीवीपी ने एसडीएफ अभियान के तहत रोप 600 पौधे

माही की गूंज, थांदला। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद थांदला ने प्रकल्प स्टूडेंट फॉर डेवलपमेंट (एसडीएफ) थांदला अभियान के निमित्त 600 पौधों का रोपण किया। प्रताप कटारा एबीवीपी के जिला संयोजक ने बताया कि, बालक उत्कृष्ट स्कूल थांदला के छात्रों ने व कन्या स्कूल की छात्राएं, शिक्षक व एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने मिलकर 600 पौधरोपण देवीगढ़ स्वंभू माता मंदिर परिसर पहाड़ी पर करे, साथ ही पौधों को बडा करने का संकल्प लिया। सभी विद्यार्थी, शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी, सामाजिक व धार्मिक वृक्ष प्रेमियों बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। मुख्य अतिथि एबीवीपी प्रांत सह मंत्री मोनिका पाटीदार जिला विद्यार्थी विस्तार, शासकीय महाविद्यालय थांदला प्राचार्य डॉ. जीसी मेहता, बीईओ पीएन अहिरवार, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य पलमा खराड़ी, नगर मंत्री प्रफुल्ल धामनिया, नगर सह मंत्री जीगर, खवासा नगर अध्यक्ष बलवीर सिंह डामोर, दिपिका कटारा, नव निर्वाचित सरपंच देविगढ राजेश बामनिया, अनिल शर्मा, श्रीमती संजू त्रिपाठी, मनोज डोडियार, विजय भाबोर आदि कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

बदहाल हुई यातायात व्यवस्था, चौराहे से लेकर तिखी ईमली तक जाम ही जाम

हो सकता है बड़ा हादसा, जिम्मेदार बने मुकदर्शक, जिले की यातायात व्यवस्था राम भरोसे

माही की गूंज, अलीराजपुर।

जिले की यातायात व्यवस्थाएं इन दिनो मालिक भरोसे चल रही है। जिला मुख्यालय पर यातायात व्यवस्था बैलगाम होकर ध्वस्थ होती नजर आ रही है। खंण्डवा-बडौदा हाईवे मार्ग स्थित सिनेमा चोराहे से लेकर आम मंडी एवं तिखी ईमली तक प्रति सोमवार को साप्ताहिक हाट के चलते उक्त मार्ग पर सुबह से लेकर दोपहर तक आने-जाने वाले ग्रामिंणो की भारी भीड बनी रहती है। भीड के चलते दुपहिया-चार पहिया वाहनो की लम्बी-लम्बी कतारे लग जाती है ओर मार्ग पर जाम लग जाता है। जाम मे फंसे राहगीरो को निकलने के लिए घंटे-गिनती इंतजार करना पडता है, भारी मशक्कत के बाद वह यहां से निकल पाते है। बदहाल व्यवस्था का आलम यह है कि, इस मार्ग पर पेदल निकलना भी जोखिम भरा हो जाता है। जिम्मेदार अधिकारीगण भी यहां से गुजरते रहते है, परंतु वह देखकर भी अनदेखी कर रहे है।

ज्ञात रहे कि, कलेक्टर राघवेंद्रसिंह ने विगत माह पुर्व एक बैठक मे खण्डवा-बडौदा हाईवे मार्ग स्थित साप्ताहिक पशु बाजार मे भारी भीड व यातायात व्यवस्थाओ के देखते हुए अन्य स्थान चयनित कर शिफ्ट करने के निर्देश नपा सीएमओ को दिए थे। परंतु कई माह बित जाने के बाद भी कलेक्टर महोदय के निर्देषो का परिपालन नही हो रहा है। बहरहाल समय रहते प्रषासन ने उचित कार्यवाही नही की तो हाट-बाजार वाले दिन कभी भी बडा हादसा हो सकता है।

सड़क किनारे दोनों ओर बेतरकिब खड़े किए जाते है वाहन

गोरतलब है कि, साप्ताहिक हाट के कारण सोमवार को पशु एवं मुर्गियां क्रय-विक्रय करने वाले लोग इस मार्ग के दोनो ओर तथा बीच सडक पर खडे हो जाते है। वही लेने वाले व्यापारी भी रास्ते मे माल की खरीदी करते है। सिनेमा चोराहे से लेकर आम मंडी तिखी ईमली सडक किनारे दोनो ओर लोग बेतरकिब खडे होकर आवागमन अवरुद्ध करते है। जिससे मार्ग पर भारी भीड जमा होने से जाम की स्थिती बन जाती है। चालको की अंधाधुध गति से दुर्घटना हो रही है और वाहन-चालको मे वाद-विवाद की स्थितियां भी बन रही है। इसके पुर्व उक्त मार्ग पर कई बार दुर्घटनाए हो चुकी है, बावजुद इसके प्रशासन ने अभी तक कोई ठौस कार्यवाही नही की, जिससे आमजनो को राहत मिल सके।

उल्लैखनिय है कि, नपा प्रशासन ने पशु एवं मुर्गी बाजार को सुरेंद्र उघान के समीप एक नाले पर स्थापित किया हुआ है। बावजुद इसके पशु एवं मुर्गिया क्रय-विक्रय करने वाले खंण्डवा-बडौदा हाईवे मार्ग के सडक किनारे खडे हो जाते है। संबधित नपा ठेकेदार द्वारा पशु एवं मुर्गिया क्रय-विक्रय करने वाले को निर्धारित स्थान पर आने के लिए समझाईश दि जाती है, परंतु कुछ लोग हठधर्मिता अपनाते हुए नही आते है। वह वहीं खडे होकर क्रय-विक्रय करते रहते है। भारी आवागमन के चलते साप्ताहिक हाट वाले दिन मार्ग पर दिनभर जाम की स्थिती बनी रहती है। समय रहते प्रशासन अगर नही जागा तो निश्चित ही हाट-बाजार को कोई बडा हादसा होने की संभावना है..!

सड़क पर बने गड्ढे, बरसात में वाहन चालक तथा राहगीर परेशान

कुछ समय पूर्व बाइक से गिरकर युवक हुआ था घायल

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ-जोबट तिराहे से कस्बे की ओर आने वाली सड़क विगत वर्ष से अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही है। सड़क पर जहां-तहां गहरे-गहरे गड्ढे होकर दुर्घटना को न्योता दे रहे हैं। विगत महीनों ऐसे ही एक गड्ढे में बाइक उछल जाने के कारण पीछे बैठे युवक घायल हो चुका है। लोक निर्माण विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। वर्तमान में बरसात का मौसम होने से इनमें भरा गंदा पानी राहगीरों की मुसीबत बना हुआ है।

आम्बुआ कस्बे में भी तिराहे से लेकर कस्बा बाजार क्षेत्र का लगभग एक किलोमीटर सड़क मार्ग पर जगह-जगह गहरे गड्ढे में तब्दील हो चुका है। गड्ढों की गहराई इतनी अधिक होती जा रही है कि वाहन निकलना मुश्किल हो रहा है। दोपहिया वाहन चालक अधिक परेशान हो रहे हैं। वर्षों पूर्व लोक निर्माण विभाग ने इसकी मरम्मत की थी इसके बाद इधर कोई ध्यान नहीं दिया जाने के कारण गड्ढे होते जा रहे हैं। दो-तीन माह पूर्व ऐसे ही एक गड्ढे में बाइक के उछल जाने के कारण पीछे बैठा युवक सड़क पर गिर जाने के कारण उसके सिर में गंभीर चोट आने के कारण उसे जिला अस्पताल में भर्ती करना पड़ा था। वर्तमान समय वर्षा का होने के कारण इन गड्ढों में पानी व मिट्टी भर जाती है। जिससे कीचड़ युक्त गंदा पानी वाहनों के टायर से उड़कर राहगीरों के कपड़े गंदे कर रहा है। विशेषकर स्कूल जाते बच्चे अधिक परेशान हो रहे हैं। कस्बा के नागरिकों ने लोक निर्माण विभाग से समाचार पत्र के माध्यम से मांग की है कि, वह इन गड्ढों को तत्काल भरें ताकि पैदल यात्रियों एवं वाहनों को दुर्घटना से बचा जा सके।

एक वोट से जीता उपसरपंच, 8 मत निरक्षता के चलते हुए निरस्त

माही की गूंज, आलीराजपुर।

जिले मे हाल ही मे पंचायत चुनाव सम्पन्न हुए, जिसमे कई पंचायतो के नतीजे रोचक भरे आए। अलीराजपुर के समीपस्थ ग्राम रोडधा पंचायत चुनाव के परिणाम भी जिले मे चर्चित रहा है। यहां पर ग्रामीणों ने युवा सॉफ्ट इंजिनियर को ग्राम सरकार की कमान सोप दी। जिसमे कांग्रेस समर्थित युवा निरंजन राजेंद्र पटेल रोमांचक मुकाबले मे विजय हुए। गत सोमवार को ग्राम रोडधा उपसरपंच का चुनाव सम्पन्न हुआ। जिसमे कांग्रेस समर्थित रिलेश चौहान ग्राम उपसरपंच पद पर मात्र एक वोट से विजय हुए। उन्होंने पूर्व सरपंच की पत्नी भूरीबाई बघेल को एक वोट से हरा दिया। ग्राम मे कुल 13 पंच पद है, जिसमे भाजपा समर्थित 10 पंच एवं कांग्रेस समर्थित पंच मात्र तीन निर्वाचित हुए। उपसरपंच पद पर हुए निर्वाचन मे कांग्रेस की और से रिलेश चौहान एवं भाजपा की और से भूरीबाई ने नामांकन पत्र दाखिल किया। उपसरपंच पद चुनाव का नतीजा जब सामने आया तो लोग आश्चर्यचकित हो गए। नतीजे जानकर लोग हैरत मे पड़ गए। परिणाम मे कांग्रेस समर्थित एक वोट से विजय घोषित किए गए। विजय उम्मीदवार को कुल तीन मत मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंदी को दो मत मिले। निरक्षता के चलते कुल 8 वोट निरस्त हो गए। इस दौरान पिठासिन अधिकारी ने निर्वाचित उपसरपंच रिलेश चौहान को प्रणाम पत्र प्रदान किया। निर्वाचित उपसरपंच चौहान का ग्राम सरपंच निरंजन पटेल सहित ग्रामीणजनो ने हार-फूल माला पहनाकर स्वागत कर हर्ष जताया।

गोरतलब है कि, ग्राम सरपंच पद पर निर्वाचित निरंजन पटेल ने पूर्व सरपंच की पहली पत्नी सोनी भाई बघेल को हराया था। वही रिलेश चौहान ने पूर्व सरपंच की दूसरी पत्नी पंच भूरीबाई बघेल को हराकर उपसरपंच पद पर काबिज हुए। बहरहाल ग्राम सरपंच-उपसरपंच का निर्वाचन जिले मे जनचर्चा का केंद्र बना हुआ है।

आगामी त्यौहारों व सोशल मीडिया पर निगरानी हेतु पुलिस खुफिया टीम की बैठक सम्पन्न

माही की गूंज, अलीराजपुर। पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह द्वारा पुलिस खुफिया टीम की बैठक आयोजित की गईं। जिसमें खुफिया विभाग के पुलिस अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। आयोजित बैठक मे पुलिस अधीक्षक श्री सिंह द्वारा खुफिया टीम के प्रत्येक अधिकारी से चर्चा कर ब्रीफ किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी आने वाले त्यौहारों के पूर्व सौहार्द्रपूर्ण वातावरण तथा सोशल मीडिया पर निगरानी बनाये रखना था। खुफिया टीम के प्रत्येक सदस्य से पुलिस अधीक्षक द्वारा फीडबेक लेकर ब्रीफ किया गया। वर्तमान मे सोशल मीडया पर असामाजिक तत्वों के द्वारा भड़काऊ मैसेज डालकर शांतिभंग करने की स्थिति निर्मित करनें की कोशिशें की जाती है। ऐसे तत्वों पर सख्ती से निपटनें के लिए आवश्यक है कि सोशल मीडिया पर सूक्ष्मता से निगाह रखी जाकर, ऐसी किसी भी हरकत को समयपूर्व ही रोक लिया जाकर संबंधित तत्व पर आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जाए। पुलिस अधीक्षक श्री सिंह ने बताया कि, पुलिस की खुफिया टीम की मीटिंग ली गई है। जिसमें टीम के प्रत्येक सदस्य से फीडबेक लिया जाकर ब्रिफ किया गया। जिससे आसूचना मे लगे पुलिस अधि.-कम. और बेहतर परिणाम दे सके।

वर्षों से सरपंच पद का सपना देखने वाला उपसरपंच बना

कड़ी टक्कर के बाद एक मत से उप सरपंच बने भयडिया

माही की गूंज, आम्बुआ।

त्रिस्तरीय पंचायत राज व्यवस्था के तहत संपन्न ग्राम पंचायतों के चुनाव में सरपंच तथा पंचों के चुनाव के बाद उप सरपंच के चुनाव संपन्न हुए। आम्बुआ ग्राम पंचायत में संपन्न उपसरपंच चुनाव में जो की बहुत ही रोचक होकर कड़ी टक्कर के बाद एक मत निरस्त होने के बाद एक मत से थानसिंह भयडिया ने जीत हासिल की।

आम्बुआ ग्राम पंचायत में 25 जुलाई को सुबह से ही राजनीतिक गहमागहमी का माहौल बना हुआ था। कारण था ग्राम पंचायत में उप सरपंच पद के चुनाव संपन्न होने का। इस चुनाव को संपन्न कराने हेतु पीठासीन अधिकारी संतोष सोलंकी एवं सचिव बद्रीलाल भाबर पंचायत में उपस्थित रहे तथा उपसरपंच का चुनाव संपन्न कराया। उनके अनुसार चुनाव में 2 प्रत्याशी क्रमश भरत कुमार माहेश्वरी तथा थानसिंह भयडिया के नामांकन के बाद मतदान कराया गया। जिसमें भरत माहेश्वरी को 9 मत प्राप्त हुए जबकि थानसिंह भयडिया को 10 मत प्राप्त हुए। एक मत निरस्त हो गया। इस तरह दोनों प्रत्याशियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। विजई प्रत्याशी थानसिंह भयडिया जो कि विगत 15 वर्षों से सरपंच का चुनाव लड़ने के बावजूद सरपंच पद तो प्राप्त नहीं कर सके, मगर इस बार उन्होंने उपसरपंच का पद जरूर प्राप्त कर लिया। उन्हें सभी इष्ट मित्रों सहित सरपंच रमेश रावत ने जीत की बधाई दी। जीत के बाद समर्थकों ने आतिशबाजी खुशी व्यक्त की।

बारिश में देखने को मिली श्रद्धालुओं की अपार आस्था

माही की गूंज, थांदला। श्रावण माह के दूसरे सोमवार को दिनभर श्रद्धालुओं और भोले के भक्तों का तांता मंदिरों में लगा रहा। भगवान शिव को जल अर्पित कर अपने को धन्य महसूस किया। वही मंदिर के शिवलिंग का फूलों से आकर्षक श्रंगार किया। दोपहर बाद भगवान भोलेनाथ का विशेष श्रृंगार किया गया। स्थानीय घोड़ा कुण्ड अबीकेशवर महादेव मंदिर पर शिव जी को बाबा बर्फानी का स्वरूप देकर श्रृंगार देकर गंगा जी की धारा प्रवाहित कर श्रद्धालुओ को मोहित किया। देर रात तक श्रद्धालुओ की भीड़ लगी रही।

वहीं सीहोर वाले पंडित प्रदिप मिश्रा ने शिवरात्रि पर ऑनलाइन व टीवी चैनल के माध्यम से पार्थिव शिवलिंग का अभिषेक करवाया। रात 7 से 8बजे तक बाजारों में सन्नाटा पसरा हुआ था। सभी सनातनी अपने-अपने घरों में अभिषेक पुजन कर रहे थे। रात्रि 8 बजे पश्चात नदियों पर लोगों की भीड़ देखी गई जहां पार्थिव शिवलिंग का विसर्जन किया गया।

बेटी का स्कूल जाना मना है!

दबंगों ने रोका स्कूली बालिका का रास्ता, लाठी-डंडों से किया हमला

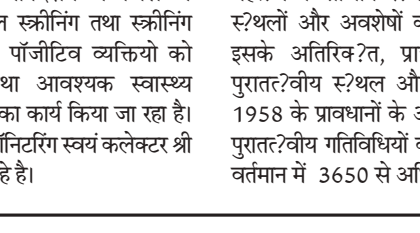

माही की गूंज, शाजापुर। एक तरफ जहां देश में सर्वोच्च संवैधानिक पद पर द्रौपदी मुर्मू के रूप में एक आदिवासी बेटी आसीन हुई है तो दूसरी तरफ मध्य प्रदेश के शाजापुर में स्कूल जाने की वजह से एक बच्ची और उसके परिवार को दबंगों के जुल्म का सामना करना पड़ रहा है। शाजापुर दबंगों की धमकी को नजरअंदाज करके स्कूल जाने वाली बच्ची के परिवार पर हमला कर दिया गया। पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मामला शाजापुर जिले के बावलियाखेड़ी गांव का है। 16 वर्षीय छात्रा लक्ष्मी मेवाड़ा स्कूल पढ़ने जाती है, जिसे स्कूल नहीं जाने के लिए गांव के माखन कुंदन और धर्मेंद्र सिंह ने मना किया था। गांव के तीनों युवकों का बालिका से कहना था कि, हमारे गांव की कोई भी लड़की पढ़ने के लिए स्कूल नहीं जा रही है तो तुम क्यों पढ़ने के लिए स्कूल जा रही हो। लक्ष्मी ने घर में यह बात बताई तो उसका भाई तीनों लड़कों से बातचीत के लिए गया। लेकिन दबंगों ने उसे पीट डाला। इसके बाद दोनों पक्षों में लाठी-डंडे चलने लगे। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर जमकर लाठियां भांजीं। वहां मौजूद लोगों ने मारपीट का वीडियो भी बनाया।

छात्रा के परिवार के पांच लोग घायल हुए हैं, जो जिला अस्पताल में भर्ती हैं। उधर, आरोपी फरार है। विवाद में नारायण मेवाड़ (55), अंतर बाई (50), लखन परिहार (25), कमल मेवाड़ (27) और सचिन (16) को चोट आई है। जिनका उपचार जिला अस्पताल में किया जा रहा है।

पुलिस ने घटना के बाद फरार चल रहे 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। कोतवाली थाना प्रभारी अवधेश कुमार शेषा ने कहा कि, यह घटना उस समय हुई थी जब बच्ची स्कूल जा रही थी। कुछ लोगों ने उसका रास्ता रोका और स्कूल बैग छीन लिया। उसे स्कूल जाने से मना किया। इसके बाद लड़की के परिवार और आरोपियों के रिश्तेदारों में झड़प हुई। शिकायत के बाद पुलिस ने सात आरोपियों को आईपीसी की विभिन्न धाराओं और एससी-एसटी ऐक्ट के तहत गिरफ्तार किया है। दूसरे पक्ष की शिकायत पर लड़के के भाई के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया है।

दूर से लौटे जनपद सदस्यों ने चुना अपना अध्यक्ष

माही की गूंज, मंदसौर।

मंदसौर जनपद अध्यक्ष और भानपुर जनपद अध्यक्ष चुन लिया गया है। इसके अलावा सीतामऊ जनपद अध्यक्ष पद के लिए रुक्मण बाई मांगीलाल सूर्यवंशी निर्विरोध चुन ली गईं हैं। पिछले एक हफ्ते से जीते हुए सदस्य अंडरग्राउंड थे। दोनों पार्टियां सदस्यों को तोड़ने में लगी थी। ये सदस्य राजस्थान व गुजरात और गोवा के भ्रमण पर थे। रात में सभी सदस्यों का मंदसौर लौटना शुरू हो गया था। जानकारी के अनुसार अंतिम समय तक मंदसौर जनपद अध्यक्ष के लिए भाजपा किसी एक नाम को तय नहीं कर सकी थी। यहां विधायक और मंत्री अपने चहेतों को अध्यक्ष बनाए के लिए अड़े रहे।

भाजपा के बसंत शर्मा ने जनपद अध्यक्ष बन गए हैं। भाजपा के ही 2 उम्मीदवार आमने सामने थे। 25 में से बसंत शर्मा को 14 वोट मिले, जबकि शिवराज सिंह घटावदा को 11 वोट मिले।

कांग्रेस के जनपद सदस्य विजय सीताराम पाटीदार ने भानपुरा जनपद अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की। भाजपा उम्मीदवार सुनीता संजय तिल्लानी को सिर्फ 5 वोट मिले, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार को 10 वोट मिले।

जनपद पंचायत भानपुरा उपाध्यक्ष पद के कृष्णा बाई भागचंद मेघवाल कांग्रेस 11 मत मिले बादाम बाई बालचंद भाजपा को 4 मत मिले।

सिकलसेल स्क्रीनिंग में जिले ने लक्ष्य से अधिक व्यक्तियों हुई जांच

माही की गूंज, अलीराजपुर।

केन्द्र सरकार द्वारा अलीराजपुर जिले को सिकलसेल स्क्रीनिंग के कार्य हेतु विशेष जिले के रूप में चिन्हांकित किया गया है। जिसके तहत जिले में सिकलसेल स्क्रीनिंग का कार्य व्यापक स्तर पर किया जा रहा है। जिले को प्रदाय 3 लाख 47 हजार 536 के लक्ष्य से अधिक व्यक्तियों की स्क्रीनिंग करते हुए 3 लाख 57 हजार 762 व्यक्तियों की अभी तक स्क्रीनिंग की जाकर लगातार स्क्रीनिंग का कार्य निरंतर जारी है। इस प्रकार जिले में अब तक 102.94 प्रतिशत स्क्रीनिंग की जा चुकी है। इस स्क्रीनिंग के कार्य में 6 माह से 18 वर्ष के लक्षित 3 लाख 25 हजार 227 बच्चों में से 3 लाख 28 हजार 766 बच्चों की स्क्रीनिंग की जाकर 101.09 प्रतिशत की उपलब्धि प्राप्त की गई है। वहीं लक्षित गभर्वती महिलाएं 22 हजार 309 में से 15 हजार 643 की स्क्रीनिंग करते हुए सिकलसेल जांच की जा चुकी है। इस लक्ष्य में चन्द्रोखर आजाद नगर जोबट एवं उदयगढ क्षेत्र अपने लक्ष्य को पार कर चुके है। वहीं अलीराजपुर, कट्ठीवाडा एवं सोंडवा में विशेष कैम्प आयोजित करते हुए लक्ष्यों को पूरा करते हुए शत प्रतिशत लक्षित व्यक्तियों की सिकलसेल जांच किए जाने हेतु विशेष प्रयास किए जा रहे है। इस स्क्रीनिंग से अभी से 13 हजार 360 व्यक्ति पॉजीटिव पाए गए है। इनमें भी 975 व्यक्तियों यानी की 2.22 प्रतिशत व्यक्ति में ही सिकलसेल के लक्षण पाए गए है।

जबकि 3 लाख 44 हजार 374 व्यक्तियों की रिपोर्ट नेगेटिव प्राप्त हुई है। इसमें से 6 हजार 970 व्यक्तियों को दिये जाने वाले स्वास्थ्य संबंधित इलाज भी प्रारंभ किया जा चुका है। जिले में सिकलसेल स्क्रीनिंग एवं विशेष स्वास्थ्य परीक्षण कैम्पों के माध्यम से जिले में 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों एवं गभर्वती महिलाओं की स्क्रीनिंग का कार्य व्यापक स्तर पर किया जा रहा है। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में जिले में सिकलसेल स्क्रीनिंग तथा स्क्रीनिंग के पचात पॉजीटिव व्यक्तियो को इलाज तथा आवश्यक स्वास्थ्य मार्गदर्शन का कार्य किया जा रहा है। जिसकी मॉनिटरिंग स्वयं कलेक्टर श्री सिंह कर रहे है।

पुरातत्व राष्ट्रीय स्मारक व धरोहर संरक्षण पर व्याख्यान सम्पन्न

माही की गूंज, अलीराजपुर। नवीन शासकीय महाविद्यालय सोंडवा में मंगलवार को आजादी के अमृत महोत्सव के परिप्रेक्ष्य में पुरातत्व राष्ट्रीय स्मारक, धरोहर संरक्षण पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. भूपेंद्र तिवारी के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रोफेसर नीलम पाटीदार द्वारा व्याख्यान किया गया जिसमे प्रोफेसर पाटीदार ने अपने व्याख्यान में विद्यार्थियों को भारतीय पुरातत?व सर्वेक्षण (भा.पु.स.) भारत की सांस?कृतिक विरासतों के पुरातत?वीय अनुसंधान तथा संरक्षण के लिए एक प्रमुख संगठन है। इसका प्रमुख कार्य राष?ट्रीय महत?व के प्राचीन स?मारकों तथा पुरातत?वीय स?थलों और अवशेषों का रखरखाव करना है। इसके अतिरिक?त, प्राचीन संस?मारक तथा पुरातत?वीय स?थल और अवशेष अधिनियम, 1958 के प्रावधानों के अनुसार यह देश में सभी पुरातत?वीय गतिविधियों को विनियमित करता है। वर्तमान में 3650 से अधिक प्राचीन स्मारक और पुरातात्विक स्थलों और राष्ट्रीय महत्व का अवशेष उपस्थित हैं। ये स्मारक प्रागैतिहासिक काल से लेकर औपनिवेशिक काल से संबंधित हैं। इन स्मारकों में मंदिर, मस्जिद, कब्र, चर्च, कब्रिस्तान, किलें, महल, कुएं, रॉक-कट गुफाएं और धार्मिक वास्तुकला के साथ-साथ प्राचीन घाटियों और स्थल भी शामिल हैं।ऐतिहासिक स्थल, इमारत या स्मारक देश की सभ्यता व संस्कृति की परिचायक होती है। अपने देश के गौरवपूर्ण इतिहास को जानने में इन स्मारकों का बहुत अधिक महत्व है। हमारी पुरातत्विक विरासत हमारी गौरवपूर्ण संस्कृति का एक अंश हैं। अपनी संस्कृति को लंबे समय तक जीवित रखने के लिए इनका संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। पुरातात्विक विरासत स्वदेशी परंपराओं के गठन हिस्सा है। इनके संरक्षण के लिए जनता की अधिक से अधिक भागीदारी आवश्यक है। उन्हें इस बारे में जानकारी प्रदान करना चाहिए जिससे कि वे पुरातात्विक स्मारकों व धरोहरों के संरक्षण में अपनी भूमिका निभा सकें। पुरातात्विक विरासत संरक्षण सब के लिए एक नैतिक दायित्व के रूप में होना चाहिए। पुरातात्विक विरासत हमारे समाज की अनमोल धरोहर है। अपने देश की इन धरोहरों के संरक्षण के लिए प्रभावी कानूनों, जागरूकता, सर्तकता व सावधानी की आवश्यकता हैं। व्याख्यान के बाद निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमे पुरातत्वीय स्मारक धरोहर पर निबंध लेखन विद्यार्थियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन संयोजक प्रोफेसर विशाल देवड़ा द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम के बाद ऊर्जा साक्षरता अभियान के विषय में प्रो सायसिंग अवास्या द्वारा जानकारी दी गई। उक्त अभियान के उद्देश्य, कार्ययोजना एवं विद्यार्थियों को ऊर्जा संरक्षण के महत्व बताया गया। साथ ही विद्यार्थियो को इस अभियान से जुड़ने की प्रक्रिया बताई गई। सरकार द्वारा लांच किए गए एमपी ऊर्जा एप पर रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया एवं एप पर उपलब्ध कोर्स एवं सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया बताई गई। कार्यक्रम में समस्त विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

तीन जनपद झाबुआ, थांदला और पेटलावद हुई भगवामय

थांदला व पेटलावद में दोनों बड़े पदों पर भाजपा हुई काबिज, तो झाबुआ में उपाध्यक्ष कांग्रेस का

जनपद पंचायत अध्यक्ष बनी भाजपा की श्रीमती कमोदी हरू भूरिया।

माही की गूंज, झाबुआ।

बुधवार को जिले की तीनों बड़ी जनपदों में भाजपा ने बाजी मार ली है। कांग्रेस के लिए जिले में यह खासा नुकसान देखा जा रहा है। आजादी के बाद से झाबुआ जनपद कांग्रेस के कब्जे में थी। लेकिन बुधवार को यह इतिहास पलट गया और यहां जनपद अध्यक्ष पद पर भाजपा काबिज हो गई। एक बड़ा नजरिया यह भी रहा कि जिले में तीन विधानसभा सीटें है और वर्तमान में इन तीनों सीटों पर कांग्रेस का कब्जा है, लेकिन इसके उलट तीनों विधानसभा की मुख्य जनपद सीटों पर अब भाजपा ने अपना कब्जा जमा लिया है। जिला मुख्यालय की झाबुआ जनपद पर कांग्रेस को आसानी नजर आ रही थी, लेकिन ओवर कांफीडेंस के चलते कांग्रेस यहां भी अपना वर्चस्व बचा पाने में नाकाम ही साबित हुई।

जनपद पंचायत झाबुआ के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के चुनाव बुधवार को स्थानीय बसंत कॉलोनी स्थित जनपद कार्यालय पर संपन्न हुए। जिसमें दोनों ही प्रमुख पार्टी भाजपा और कांग्रेस के रणनीतिकारों के तगड़े मेनजमेंट के कारण अध्यक्ष सीट पर कमल खिला तो उपाध्यक्ष सीट पर कांग्रेस ने अपना कब्जा जमा लिया। भाजपा से श्रीमती कमोदी हरू भूरिया विजयी प्रत्याशी घोषित हुई तो कांग्रेस से श्रीमती शीला रेमसिंह भूरिया ने उपाध्यक्ष की सीट पर अपना कब्जा जमाया। जीत के बाद दोनो ही पार्टियों ने खुशियां मनाते हुए विजयी उम्मीद्वारों का पुष्पमालाओं से स्वागत कर किया। झाबुआ जनपद में कुल 20 जनपद सदस्य थे, अध्यक्ष को जीतने के लिए 11 मतों का जादूई आंकड़ा छूना था। स्थिति कुछ ऐसी बनी कि 11 वोट भाजपा की उम्मीदवार कमोदी हरू भूरिया को मिले। 9 वोट कांग्रेस की शीला भूरिया को मिले। 02 वोट से भाजपा उम्मीदवार कमोदी हरू भूरिया अध्यक्ष बन गई। जबकि उपाध्यक्ष पद के लिए तीन लोगों ने दावेदारी की। जिसमें 10 वोट कांग्रेस की शीला भूरिया को मिले, 8 वोट भाजपा के अनिल परमार को मिले, 02 वोट शांतिलाल मावी को मिले। यहां 02 वोट से शीला भूरिया ने जनपद उपाध्यक्ष पद के लिए अपना स्थान पक्का किया।

निर्धारित चुनाव प्रक्रिया के तहत दोपहर 11 से 12 बजे तक जनपद पंचायत अध्यक्ष के लिए नाम निर्देशन पत्र दाखिल किए गए। भाजपा से वार्ड क्र. 15 से जनपद सदस्य श्रीमती कमोदी पति हरू भूरिया ने नामांकन फार्म दाखिल किया। वहीं कांग्रेस से जनपद सदस्य वार्ड क्र. 9 श्रीमती शीला पति रेमसिंह भूरिया ने अपने नाम निर्देशन पत्र जमा किए। बाद दोपहर 12 बजे नाम निर्देशन-पत्रों की संमीक्षा हुई। दोपहर 12.15 से 12.30 बजे तक नाम वापसी का समय दिया गया। लेकिन दोनों ही पार्टी में एक प्रत्याशी होने से नाम वापसी नहीं हुई। दोपहर 12.45 से 1.30 बजे तक मतदान प्रक्रिया संपन्न हुई। जिसमें कुल कुल 20 जनपद सदस्यों ने मतदान किया। दोपहर 1.30 से 2 बजे तक हुए परिणाम की घोषणा में भाजपा प्रत्याशी श्रीमती कमोदी हरू भूरिया को 11 मत एवं कांग्रेस प्रत्याशी शीला रेमसिंह भूरिया को 9 मत प्राप्त हुए। इस प्रकार अध्यक्ष सीट पर भाजपा समर्थित उम्मीद्वार श्रीमती कमोदी हरू भूरिया ने जीत हासिल की।

मतदान केंद्र के बाहर जमा भाजपा और कांग्रेस के नेता-पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता।

भाजपा की ओर से जनपद पंचायत अध्यक्ष का चुनाव जीतने के लिए पार्टी की ओर से चुनाव प्रभारी पूर्व विधायक शांतिलाल बिलवाल तथा वरिष्ठ भाजपा नेता विजय नायर ने चुनावी बिसात बिछाई। 20 जनपद सदस्यों में से 10 भाजपा तथा 10 कांग्रेस समर्थित होने के बाद भी कांग्रेस के एक सदस्य को अपनी ओर खींच कर इतिहास पलट दिया।

कांग्रेस से मप्र युवक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया सहित स्थानीय कांग्रेसी नेताओं ने चुनावी रणनीतिकार बनाकर एन वक्त पर कांग्रेस समर्थित जनपद सदस्य शांतु मावी का टिकीट काटते हुए पुनः इस सीट पर श्रीमती शीला रेमसिंह भूरिया को मौका दे दिया। नतीजा यह हुआ कि शांतु मावी ने बगावत करते हुए उपाध्यक्ष के लिए निर्दलीय फार्म जमा कर दिया। बावजूद इसके इस सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार श्रीमती शीला रेमसिंह भूरिया ने कब्जा जमाया।

जनपद पंचायत उपाध्यक्ष पद पर श्रीमती शीला रेमसिंह भूरिया ने जमाया कब्जा,

जारी है जिला पंचायत का सस्पेंस, आखिर भाजपा की होगी वापसी या फिर कांग्रेस का जारी रहेगा कब्जा

जनपद में भाजपा ने जमाया कब्जा, रमेश सोलंकी अध्यक्ष तो दुर्गा पडियार बनी उपाध्यक्ष

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

त्रिस्तरीय चुनाव परिणाम अपने अंतिम दौर में पहुँच चुके हैं। जहाँ ग्राम पंचायत में उपसरपंच के चुनाव होने के बाद बुधवार को जिले की तीन जनपद पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का फैसला हो चुका है। झाबुआ, थांदला सहित पेटलावद विकास खण्ड की जनपद में सुबह से दोनों मुख्य दलों के नेताओ का जमावड़ा लगना शुरू हो गया था। दोनों दलों के कई जनपद सदस्य सीधे जनपद पंचायत पहुँचे। सुबह 11 बजे शुरू हुई प्रकिया के बाद दोपहर लगभग ढ़ाई बजे परिणाम निकल कर सामने आए, जिसमे भाजपा के प्रत्याशी रमेश सोलंकी को 25 में से 18 जनपद सदस्यों ने वोट दिया। जबकि कांग्रेस की और मैदान में उतरे नारायण ताड़ को 6 मत प्राप्त हुए, जबकि एक मत रिजेक्ट हो गया। उपाध्यक्ष पद पर भी भाजपा ने ही कब्जा जमाते हुए झकनावदा जनपद क्षेत्र से विजय हुई दुर्गा पडियार निर्विरोध विजय रही। इनके सामने कांग्रेस की और से किसी प्रत्याशी ने नामांकन दाखिल नही किया।

भाजपा में उत्साह का माहौल, कांग्रेस चारो खाने चित्त

जनपद पेटलावद के परिणाम आते ही भाजपा में उत्साह का माहौल बन गया और जनपद अध्यक्ष रमेश सोलंकी ओर उपाध्यक्ष दुर्गा पडियार का जबरदस्त स्वागत किया गया, वही आतिशबाजी व ढोल-ढमाकों से साथ जुलूस निकाला गया। वही कांग्रेस पिछले 15 दिन से लगातार जनपद सदस्यों से संपर्क साध रही थी और हर प्रकार के लोभ प्रबोलन दिए जा रहे थे। लेकिन भाजपा की रणनीति के आगे कांग्रेस चारो खाने चित्त हो गई और अपने वोट के आंकड़े को 10 तक भी नही पहुँचा सकी। क्षेत्र के कांग्रेस विधायक वालसिंह मैडा ने जनपद अध्यक्ष पद को लेकर रुचि नही दिखाई और चुनाव के दौरान कही नही दिखे।

जिला पंचायत में सस्पेंस बरकरार, कल होगा चुनाव

झाबुआ, थांदला और पेटलावद विकास खण्ड के चुनाव के बाद आज राणापुर, रामा और मेघनगर में जनपद अध्यक्ष का चुनाव होना है। जहाँ कांग्रेस कुछ भरपाई करने की भरचक कोशिश करेगी। झाबुआ जनपद पहली बार जीतने के बाद उत्साह से लबरेज़ होकर बाकी तीन जनपद ओर जिला पंचायत जितने का दावा भाजपा कर, कांग्रेस का सूपड़ा साफ करने की बात कर रही है। यहां 29 जुलाई शुक्रवार को जिला पंचायत के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव होना है। जिसके लिए अब तक सस्पेंस बरकरार है। कांग्रेस व भाजपा दोनों दलों के 6-6 सदस्य विजय हुए है जबकि एक निर्दलीय ओर एक जयस प्रत्याशी विजय हुए है। जिन्होंने अभी अपने पत्ते नही खोले है की वो किस और जायेगे। लेकिन लगातार भाजपा के जनपद अध्यक्षों के विजय होने से कांग्रेस खेमे में निराशा है।

13 वर्षों बाद जनपद पर भाजपा का कब्जा

माही की गूंज, थांदला।

जनपद पंचायत थांदला पर करीब 13 वर्षों बाद भाजपा का कब्जा हो गया है। जनपद अध्यक्ष पद के लिए प्रयाप्त पुलिस बल व सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के बीच 19 जनपद सदस्यों वाली थांदला जनपद पंचायत में सीधा मुकाबला कांग्रेस व भाजपा के बीच देखने को मिला। जनपद अध्यक्ष हेतु भाजपा से पोनी जालम डामोर (बालवासा) ने कांग्रेस की श्रीमती जाग्रति मुकेश डामोर (पलासडोर) को एक तरफा 12द्6 से हरा दिया। जनपद अध्यक्ष के लिए 19 वार्ड में 18 सदस्य उपस्थित रहे। जबकि वार्ड क्रमांक 16 की कांग्रेस समर्थित महिला प्रत्याशी पप्पूडी राजू मेड़ा (खवासा) अनुपस्थित रही। इसके करीब 13 वर्ष पूर्व यहाँ भाजपा समर्थित दिलीप कटारा जनपद अध्यक्ष थे जबकि उनके बाद यहाँ कांग्रेस समर्थित मंजुला रतनसिंह भाबर व गेंदाल डामोर जनपद अध्यक्ष थे जबकि इस बार भाजपा ने फिर से सीट अपने कब्जे में कर ली है। वही थांदला जनपद उपाध्यक्ष पद भी भाजपा के कब्जे में आ गया है। उपाध्यक्ष के लिए भाजपा के दो उम्मीदवार व एक जयस उम्मीदवार की और से नामांकन भरा गया था। अंतिम समय में प्रेमलता गहलोत व सुनील मेड़ा ने अपना नामांकन वापस ले लिया। जिसके बाद भाजपा की माया प्रेम सिंह चौधरी निर्विरोध उपाध्यक्ष हुई निर्वाचित। थांदला में सुबह से ही भाजपा जश्न मना रही थी वही ओपचारिक परिणाम के बाद जमकर आतिशबाजी कर भाजपा जिंदाबाद के नारे लगाए।

चुनाव में लोक लुभावने वादों से त्रस्त सड़क

शांति से मुक्ति धाम भी नही पहुँच पाए शव

माही की गूंज, रतलाम।

नगर निगम के चुनाव के दौरान दोनों दलों की ओर से बड़े-बड़े लोक लुभावन वादों की झड़ी लगी। लेकिन नरकीय जीवन जी रहे नगर के लोगो ने अपना मत इस उम्मीद से दिया कि, शायद मार्ग से गुजरने वाले वाहन ओर आमजन को राहत मिले न मिले लेकिन मार्ग से गुजरने वाली अंतिम यात्रा पर निकले शवो को राहत मिल जाये और वो शांति से अपने अंतिम गंतव्य तक पहुँच सके। शहर के राजेंद्र नगर से गौशाला रोड जाने वाला मार्ग हिचकोलों खाते हुए ही पूरा हो रहा है। इस क्षेत्र में करीब तीन माह पूर्व सीवरेज का काम पूरा हो गया था, अब तक जर्जर हो चुकी मुख्य रोड में सुधार नहीं हुआ है। इस क्षेत्र में सत्ता हो या विपक्ष के बड़े नेता, हर कोई रहता है, लेकिन अब तक सभी की मिली-जुली चुप्पी अब रहवासियों को अखरने लगी है। यहां के रहवासीयो के अनुसार कई बार नगर निगम के जिम्मेदारों ने इस क्षेत्र में निरीक्षण किया, लेकिन वे कभी अपने वाहन से नीचे नहीं उतरे। ऐसे में उनको जर्जर रोड कभी नजर ही नहीं आती है।

किसी समय में गांव की पहचान जर्जर रोड और कई तरह की असुविधावाओं वाले स्थान के रुप में होती थी। अब तो गांव भी विकसीत हो गए हैं, लेकिन शहर के जवाहर नगर मुक्तिधाम याने की शमशान जाने वाले मार्ग की हालात बेहद खस्ता हो गई है। यहां शवयात्रा कंधे पर आए या वाहन में, हिचकोले खाने को शव और उसके साथ आए लोग मजबूर हो रहे है। इस मार्ग की हालात भी सीवरेज के चलते जर्जर हुई है। इस मार्ग से कई जनप्रतिनिधि और जिम्मेदार कर्णधार प्रतिदिन निकलते है, बस वे शहर के मामले में जब जरुरत बोलने की होती है, चुप हो जाते है। इस मार्ग पर की स्थिति बेहद खराब हो गई है। अब तक इसके रखरखाव की बात तो दूर, इसको देखते तक जिम्मेदार अधिकारी नहीं आए है।

प्रोग्रेसिव स्कूल प्रबंधन की लापरवाही से बच्चे होते रहे परेशान

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

बुधवार को सारंगी में एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया। स्कूली बच्चों का लेकर जा रही बस में अचानक से धुंआ निकल गया जिससे उसमे सवार बच्चे डर गए। बस के ड्राइवर ने किसी तरह बस को रोक लिया, यदि बस में कुछ ज्यादा ही आग लग जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। इस हादसे से प्रशासन की लापरवाहीं भी सामने आई है क्योंकि प्रशासन द्वारा स्कूली बसों का लगातार निरीक्षण नहीं किया जा रहा है। घटना बुधवार सुबह सारंगी रोड पर घटित हुई। हीरो शोरूम से आगे स्थित प्रोग्रेसिव अकेडमी स्कूल की बस नवम्बर 8 स्कूली बच्चों को लेकर सारंगी से पेटलावद जा रही थी। चालक द्वारा बस को सामान्य गति से बस को चलाया जा रहा था। इस बीच अचानक बस से धुंआ निकल गया। धुंआ निकलते ही बस में सवार बच्चों को डर लगा। झटके से सीट पर बैठे बच्चे डर गए। हालांकि बस चालक ने बस को संभाल लिया और उसे सफलता पूर्वक रोक लिया। यह घटना जिसने भी देखी वह सिहर उठा क्योंकि यदि बस में आग लग जाती तो बड़ा हादसा हो जाता। हादसे की जानकारी चालक-परिचालक ने स्कूल प्रबंधन को दी। कुछ बच्चों के परिजन भी मौके पर पहुंच गए थे।

बाबा रामदेव के जुलूस के साथ होगा भंडारे का आयोजन

माही की गूंज, पेटलावद।

ग्राम पंचायत बड़ी देहण्डी में आज अमावस्या को बाबा रामदेव जी का जुलूस निकाला जाएगा। हर बार की तरह इस बार भी रामदेवरा जाने वाले यात्रियों के लिए भंडारे की व्यवस्था की जाएगी। इस बार भी समस्त ग्राम वासियों में बहुत उत्साह देखने को मिल रही है। रामदेव के सभी भक्तों ने बाबा रामदेव जी के घोड़े को तैयार करते हुए सभी अनुरोध किया है कि, बड़ी संख्या में जुलूस में पधारे। जुलूस के पश्चात ग्राम पंचायत बड़ी देहणडी में बाबा रामदेव जी का भंडारा रखा गया है। रामदेव बाबा के पुजारी गुड्डू भगत, नंदू वसुनिया, हावजी गामड़, तेजू सिंगाड, नाथू वसुनिया, राजू मईडा, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के मंडल अध्यक्ष तेजु सोलंकी, राहुल बाबर, धन्ना लाल वसुनिया, सुभाष वसुनिया आदि ने रामदेव जी घोड़े का सिंगार कर भव्य जुलूस की तैयारी की।

दिनदहाड़े हुई लाखों की चोरी में पुलिस के हाथ खाली

दिनदहाड़े घर में घुसकर किया हाथ साफ, पूर्व मे भी इस गली में हो चुकी चोरी

माही की गूंज, बामनिया। गौरव भंडारी

ग्राम के प्रिंस-प्रशांत मार्ग निवासी श्रीकांत भंवरलाल गुर्जर के मकान से 16 जुलाई को दिनदहाड़े मकान के पिछले हिस्से में बने दरवाजे से प्रवेश कर घर मे रखी अलमारी से लगभग दस लाख की सोने की रकम पर हाथ साफ कर दिया। शनिवार होने के कारण घर की महिलाएं बहार दुकान पर थी जबकि रिपोटकर्ता नोकरी पर रतलाम गया हुआ था। शाम को घर की महिला जब अंदर गई तो अलमारी में रखी रकम गायब थी जो कि सुबह अलमारी में ही देखी गई थी। मामले कि शिकायत 16 जुलाई को चौकी में दर्ज करवाई गई जांच के बाद मामले की एफआईआर दर्ज की गई। वारदात को लगभग 10 दिन से अधिक हो चुके हैं लेकिन पुलिस को इस मामले में कोई सफलता अब तक नही मिली हैं।

चौकी प्रभारी नरेश ननामा ने बताया कि, पुलिस एफआईआर दर्ज कर ली गई है। हम चोरों की तलाश में जुटे हैं। घर के आसपास कोई सीसीटीवी कैमरा नही होने से वारदात को ट्रेस करने में समय लग रहा है।

बता दे कि, इस गली में पूर्व में भी सुने मकान से अज्ञात चोर ऐसी ही वारदात को अंजाम दे चुके हैं। गली में कुछ किरायेदार भी रहते है। गली में रेलवे कॉलोनी स्थित मंदिर में जाने वालों की आवाजाही भी लगी रहती है। इसके बाद भी अपराधी मौका देख कर वारदात को अंजाम देकर निकल जाते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422